মহাভারতের সমগ্র মূল আগানে প্রাত্তনভাষার জীত্তরেজনার ঠাকুর বি, ও কর্ত্তন্তাল্ড । তুর্থ অন্তানন পর্বা মহাভারত পড়িয়া উঠিবার অবকাপ মা প্রবিধা বীহারের নাই, তাঁহারা এই পুত্তপাঠে সম্প্র মহাভারত পাঠের ফল পাইবেন। আধুনিক ফুচি অসুধারে ইহা আবাল-বুল বনিভার পাঠোপবোলী হব্যাছে। ইহা প্রায় ছর শক্ত পূর্তার দুই শতে গুলার । স্বাহার বালভার পাঠোপবোলী হব্যাছে। ইহা প্রায় ছর শক্ত পূর্তার দুই

क्रिकाल क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षित्र हार, वापि त्राक्ष्माक व्याद्धवा ।

সচিত্র সটীক ভগবদগীতা।

প্রিয়ার সভোজনোপ ঠাকুর কর্ক প্রেয় মহাবাদিত।

উপজ্ञস্থিকার দীভাবর্গ আলোচনা। নূল লাল ও অনুবাদ কাল অক্তে মুক্তিত। উৎকৃষ্ট কাগন্ধ ও প্রস্কার বাঁধান। মূল্য ২৪০ টাকা। আদি আক্ষময়তে ও শ্রীমৃক্ত ওক্ষাণ চট্টোপাধ্যামের নিকট প্রাপ্তবা।

ইংরাজীতে মহহিদেবের আত্ম-জীবনী

প্রীযুক্ত সতোন্দ্রনাথ গাকুর প্রণীত সুন্দ্যে ২ 110 ভারতা 1

মহর্ষির আন্ত্র জীবনী কেবলমাত্র বকজানার পাকার অন্যান্য প্রদেশের লোকের উহা লাঠ করিবার বিশেষ অভ্যিধা চইড। একংশ সেই অভ্যিধা দুর্জরগার্থে উহার ইংরাজ্য অনুবাদ প্রকাশিত হইল। ইহাতে মহরিদেবের বিভিন্ন বর্ষের ও তাহার পরিবারবর্ষের করেকজনের আঠার বানি চিত্র সাম্বেশিত হইলাছে। ইহার ভাষা সরল ও প্রাঞ্জন এবং সাধারণের পাঠোগবেগা।

आधिकाम—१८नः चलाङ हिर पृष्ठ द्वांक, चाविद्याक्रममास ।

মহর্ষিদেবের আগ-জীবনী

काशरङ् वीधाः वादीशः मृना २

ব্রাক্ষধর্মগীত।

(মহানিদেবের আফাবন্সের ব্যাশ্যানের পদ্যানুবাদ)
চাল বাহা
শাবাহ বাহা
শাবাহ বাহা
শাবাহ বাহা
শাবাহ বাহা

ব্রন্সঞ্জীত-শ্বলিরপি।

कानि अध्यानगरिकत्र चक्रठम शहरक শ্ৰীকামালীচরণ সেব প্রণীত।

ম্লা—প্ৰথম ভাগ ২৮০, বিভাগ ভাগ ১০০, তৃতীর ভাগ ১০০, চতুর্ব ভাগ ১০, প্রুম ভাগ (নব প্রকাণিত) ১০। একলে পাচ খণ্ডের म्ता १४० वर्ग ७४० है। का। वानि बाक्षममाजित बन्नमणेल भूखक बहेट क्रियल मानु রবা অনাথ ঠাকুর, জ্যোতিরি অমাধ চাকুর, ভিজেজনাব চাকুর এবং রাজা বাস্থালন রার প্রভতি মহাত্মাগণের রচিত ভাল ভাল দলীতের অনলিপি ইহাতে সলিবিট করা চই-ছাছে। এই বরলিপি-পদতি পুর সরল ও সছল। এমন কি, বাঁহালের একট প্রর জান আছে, উছোৱা শিক্ষকের সাহাযাব্যভাত অনলিপি বেপিয়াই গানগুলি শিক্ষা করিছে लातित्वन। यहलिलि-भूखक-भूखाकन त्यक्तण रायमाधा, तम हिमार्ट माधादत्यन छविधात अना, देशत मृता ७ ज्ञाच कता स्रेग्नाटकः।

কলিকাতা, ৫৫ মং লগার চিৎপুর রোড, লাদিভাঙ্গাসমাজ-পুতকালনে প্রাপ্তব্য ।

শ্ৰীৰ্ন্তোতিবিজ্ঞান হাকুৰ কওঁক সংখ্যত নাটকের বসাস্থান।

অভিযান-পত্তল দাইক	(समाञ्चाम) पूना	34	মধাৰীত-চলিত নাটক	4		200
উত্তর-চবিত নাউত		31+	दवनागरकात सामेक	2	Salis	364/14
হয়াবলী নাটক	8	bja.	হথকৌশি ৰ	*	256	Spe
शानकीमाधन नावेच		500/4	व्यक्तिकारमञ्	3		
গুপ্ত কৃতিক নাইক	à	MF	বিশ্বনাগড লিকা	9	1	n=
হুৱা-রাজন নাইক		31+	बमक्षप्रविक्ष	*		9.9
হালবিকাহিমিত্র		-	কৰ্ণুব্দল্ভী	2	1206	9-
विकारमानांनी नावेक		494	ব্যৱস্থিকা (মন্ত্রশালিক)	4	2.5	- 194

মূতন পুত্তক

জীল্যোতিরিজনাশ চাকুর প্রশীত।

(थाकु छक्, नवाकसीकि, शक्तमीकि, नवारनाइना, त्वरण दक्ता [जिरुका वावा वार्याक] अकृष्टि विविध कागरक मूर्व) भूगा आ॰ है। या।

ः (कांक रूप्ति हे क्या विश्व कार्य कार्य कार्य कार्य ।

६। चीनीय ताली (मोचम-वृक्षाता)

৩। থাপিকুটেটালের উপদেশ

इनिधान नीकात नावेकं (क्षेत्राक्षि क्रेट्ड कट्यांत)

२०५ मर वर्षकाशीम् क्रिके । अध्यक्षमान इद्योगशास्त्र- शुक्रमादा ध्वर २० ब्रह्म राजगहिद्यमादक आधारा ।

মাধেৎসৰ উপলক্ষে স্থলত মূলো পুত্তক বি এয়।

আধাৰী ১০ট মাৰ সাধ্যাহত উৎস্থ উপলক্ষে চলা চইতে ১৫ট মাৰ পৰাত আজি প্ৰাক্ষমান্ত্ৰ পুত্তবাৰিছে। বিক্ষেত্ৰ পুত্ৰৰ ও প্ৰান্তন ভত্তবাৰিনা-পত্ৰিকা কৰণ নিমালখিত হলত ক্ৰো বিক্ৰম ব্যাত।

রক্ষেত্রের ক্রান্তর ১৫ই সাধের পুর্বের সমিষ্টারের ধারা প্রত্তের মুগা ও আন্তর্মানক ভাক্ষান্তর আদি প্রশাস মানে ব্ ক্রার্থকের নিষ্ঠানে নাগলিকা ক্রাক্ষারাত এই নিনামর শাসেইলে প্রক লাজা হইবেল। ভাক্ষের বিভিন্ন পারাধ্যের না। ১৪ই সমেষ্ট্র পুরেই টাকা হা পাইলে উক্ত মুখো প্রত্তক পাঠান এইবে না।

্ৰতিক পৰা অনুধান কৰি কৰি পৰা প্ৰতিক পৰা কৰিছে। যে সৰুৰ ভাষাবাধিনী-পাত্ৰৰ। প্ৰকাশয়ে ইপান্তিত আনুহত, তথ্যসূধানের প্ৰতি বংশকো এক ইবালে এক এক শক্ত ২, টাৰ্যায় বিনামে বিনেয় হত্যে।

MINE A SUSTINIAR AND A SUSTINIAR AND A		Total State of		গুৰ্ম কুলা আৰু	n in the second
	व्यक्त	4971	প্রথমধারে প্রধিতি প্রেবন ভাল }	144	23.0
ल क्षेत्र संभव के विकास देश शहरायाः	931		ভ্রম্পদান্ত বথবিশি (বয় ভাগ)	264	200
म् स्क (भग क मिका स्वयं विक सक्दर	15	400		100	STATE OF THE PARTY
क डाक्पण क्षांमा संस्थि। अ	. 1	984	প্ৰস্থান্ত কৰ্মনিশি (০৪জনে)	314	314
अं भारत (स्थाप सम्बद्धाः)		11	এক্দলীৰ স্বৰ্ণিণ (৪৭ তাৰ)	314	310
्राचान संस्थाः । च	Page 1	10/4	ভ্ৰমণভাত বহুলিনি (৭ম ভাব)	268	210.
আন্তংগ্ৰাভ উপাৰে প্ৰাথম প্ৰত		松	द्राक् वामरमान्त्र कारमक मना कार्या	1	40
के विशेष पर	*	1.0	क्षेत्रप्रकातीया	S.B.e.	24
ক্রণনিধ্য বল	4	-40	'स्वत्रु-वाणा	384	. Ign
चा का का का विकास विकास का विकास का		1	बायावयं अक द्योधनदर्शन खुबेन्युब	Wi a-	A SA
माञ्चल हाजनम् । द्वानन्त्रीयन मस् दर्शः ।	-	10-	भारतपाद व मुख्याक	40	4.
হাললো আসন্ধ প্ৰথম ও বিচাৰ পঞ্		4.	স্থাভাৰত :	Allia:	-
Control of the Contro	· FILE	of e	काद ठवरीत देश्याय	- Ja	In.
আৰেণ্ডের ব্যান্তান (ভাগ কাপৰ ও জা	9	200		R.A.P	R.A.P.
4(4)	1	8	Autobiography of	T. Service	
अधितत्त्रक नाम्याम सत्त्रन (अन्य मारक	55 4	- North	Maharshi D. N. Tagore	4	281,
ঐ ঐ (ব্যধা)	31	Me/ 4	Ditto Paper Cover	7000	D was the
আৰ্থধ্যের মল, বিশাস, ভবানীপ		180	Therets Prayer Book	21 1 14	37 21 13
अंभ वनशायक थाप व अपरम्भ व अपर			Dectrine of Christian	24 14	37 = 37
NAME WACK	lo/=	16/0	Resorrection		1
ক্ষিপাতা একেন্দ্ৰামেশ্ৰ কঞ্জা	18.00	4.	Officing of Stimet Mahara	27 1 pe	rge-frage
্ৰ আপোন-) - ব্যস্তস্তিক কল্যোপনিষ্ঠ (কেৰ্মাপ্য জ	-70	100	Devenderanth Tague	Britishis	100
्र चात्रक्षत्रकातः - चात्रक्षत्रकातः	40	4 /2	Marrie CH Wales	R.A.A.	R.A.P.
প্রক্রেক ও মৃত্তি	Ser.	/* /	and the Branco Sanno 1	n 4 n	27 = 27
बर्गाभरम्	1	10	Adi B. Samaj as a Churco		n3 n
कारमाञ्चन		j.	A Roply to the chary	5-03-457	- 79.9
अन्नदेशना का-मरसास चला स्वातमस्	140	do	"What is Brademerican	ref m	,, 8 ,,
জীলনার্থ পেরেলনাথ লাকুরের প্রার্থ			Theistic Toloration and		11.
व्यापनार्थिक (भाषाद्व दीवा)	17	3		y I m	n n 6
काशदब ने।या	Sile	340	विध्यमानाध्य वद्य वक्षा (इ	W19) I	h
व्यविद्रमादव व्याधकिक पृष्ठिः भूक-पदा	125 8	1.1%	अध्यवाभावत रक्षक कक्ष् वा (स	(चीत्र) स	H 34
win a news Guis	Bofie	4	क्रिकेन्द्रका (अवस्था	le .	10/4
wifes	de	-4/4	नको उपक्षी	- 47	4
आक नमारलक संकविश्यति वद्शरक्ष			श्राचरभा चेठा	3/	San San
প্রীকিত বভার	Ten Si	1 00	वे (शप)	584	- No
	74	67.	च विभाग । कार्यभाषा		131 144
क्षेत्रस्थात्त वाश (क्षेत्रोक्ष बावून इन्छ)	40	1.	ারামণির বাংখন		CAN LANG
विषयणो र रणार्ग (२२२म छात्र सब.स.	10/1	75/20	वर्ष		100
क भ वाथा।	316	3/		The state of	
রশবর্গত ১০ম আর	do	11.	THE RESERVE TO SHARE THE PARTY OF THE PARTY		
अक्त्रजोड ১३५ छात्र	0/4	do		1.	10
				The second second second	





তত্ত্ররোখনাত্মাত্রকা

"यक्ष'ता रंगतिहरूच काशीतायत् विकासनीभ'यदं वर्णतवासत् । सहैय विका' प्रामनथन् क्रियं कामकवित्रवस्त्रवस्यवेषावित्र वर्णव्यात् वर्णानवत् सनोत्त्रव सर्वात्रव सर्वात्रवस्थे पृथतवतिस्तितः व्यवता वर्षे वीत्रवस्यः " क्षत्रवस्त्रवेष्ट्रवयः सर्वात्रवि । अव्वित् गीतिकसः विवयत्यं वाधनस्य सर्वस्वयत्वे ।"

ন্দার ক

জীনতো জনাৰ ঠাকুর

সহকারী সম্পাদক জ্রীচিন্তামণি চট্ট্রোপাধারে

OF THE PERSON NAMED IN COLUMN 1	बिर्णमण्डा अर्थ
প্রার্থন	শ্রীপরোজরুমার্ট্য দেবী
<i>थाना</i> क्या	অচিভামনি চলোপাধ্যাৰ
	কলিকাড়৷
	শাদি-তামস্থান বত্তে
	william a orderform

जात २०६६ । मण्ड २००० । क्रियकाच १०२० । २ प्रांत्स, गतिवाद १

क्टबर प्रभाव हिस्सूत त्यांक ।

इ.ब्रह्माबिमी गणिन । गाँविक कृता ६ विका ब्रह्माक गरवाति वृत्ता १८० । गोक मानव ८० व्यामा ।

শূলীতিতম নামংস্থাক জ্বেশ্বেশ্ব

শাদিরাখনদাব্দের কার্যাধ্যকের মাধে পাঠাইকে হইবে।

对 解光光常

মহাভারতের নমগ্র মূল আলাম প্রাপ্তলভানার জীপ্তরেন্দ্রনাথ ঠাকুর বি, এ কর্ত্ত সকলিত। সর্ভং অটাদেশ পর্বর মহাভারত পড়িরা টঠিবার অথকাশ থা স্থবিদা নাহাদের নাই, ভাঁহার। এই পুরুক্তাতে সমগ্র মহাভারত পাঠের জন পাইবেন। আপুনিক ক্ষাচ অসুনারে ইবা আবাল-র্জ বনিভার পাঠোপাযোগ্য ইইয়াছে। ইবা আৰু চয় শক্ত পৃথীয়ে এই বঙ্গে সমাপ্ত। মূলা থাত ট্রাকা। ভাক মাত্র প্রস্তু।

क्विकाला दक्तर जनाव हिल्लुव त्यार, जारि वा धनशास शास्या ।

সচিত্ৰ সচীক ভগবদগীতা।

শ্ৰিত্ত সভোজনাপ ঠাকুর কর্তৃক

উপক্ষমণিকাশ্ব গীতাধর্ম আলোচন। যুল লাল ও অনুবাদ কাল অকরে মুক্তিও। উৎকৃতি কাগন্ত ও তক্ষর বাঁধান। যুলা ২৮০ টাকা। আদি প্রান্ত্রসমাজে ও শীর্ক গুরুষাস চটোগাধায়ের নিক্ট প্রান্তিয়।

ইংরাজীতে মহধিদেবের পাত্ম-জীবনী

প্রীযুক্ত সভোক্রনাথ গাঁকর প্রণীত স্কুল্য ২ 110 ভিক্রি

মহাবির আজা জীবনী কেবলনাত্র বজভাষায় থাকার অন্যান্য প্রদেশের লোকের উহা লাঠ করিবার বিশেষ কর্ষাধা হউত। একংগ নেই অস্থিধা দূরকরণার্থে উহার ইংরাজা অন্যাদ প্রকাশিত হউল। উহাতে মহ্যিদেশ্রের হিভিন্ন বহদের ও উটোর পরিবারবর্গের ক্যেকজনের আঠার থানি চিত্র স্থিতেশিত হইয়াছে। ইহার ভাষা সরল ও প্রাঞ্জা এবং সাধারণের সাঠোপ্রাণ্ডি।

আধিকান-৫৫নং অপার ভিন্পুর রোড, আদিবাকাসমাছ।

মংর্থিদেবের আখ-জীবনী

কাণড়ে বাঁখা আবাঁধা

海町 大

· 110

ব্ৰাহ্মধৰ্মগাত।

(मर्श्वरणरवन्न जायावर्णातं याच्यारम् श्रहाम्यान)

ভাল হাবা •
ভাল হাবা •

and the same

all the second s

भारि जाकश्याद्य वावया ग्राप्त

ব্রজাসঞ্চীত-শ্বলিরপি।

खीकाकानीहरूप (मन थापेक)

মুলা প্রথম ভাগ ২৮০, বিভার ভাগ ১০০, ভূতীর ভাগ ১০০, চত্তি ভাগ ১০, প্ৰাম ভাগ (নৰ প্ৰকাশিত) ১ ০। একলে পাচ পৰেল यूनी १॥० यहन ७॥०. है। का मिडाजानमा छ व वजन है जु के इहा जी तुक बार वर्राक्षमार्थ ठीकूब, क्याडिकिकामार ठीकूब, चिक्किमार ठीकूब अवर बाक्षा बाबटमाइन बार প্রভাত মহাসাগণের রচিত ভাল ভাল নলীতের স্বর্গানি ইছাতে সমিবিট করা হই यारक्। अहे सर्वालिभ भव्यकि सूच महत्व अ महत्व। ध्वम कि, बीहारमत धक्के छन्न छाय শাহে, ভাষারা শিক্তের শাহাযাব্যভাত সর্বিপি দেখিয়াই গামগুলি শিকা করিছে পারিবেন। ধরলিপি-পৃস্তক মৃত্যাকন মেরুপ ধ্যধসাধা, দে বিধাবে দাবারণের শ্বিধার क्या, देशात भूगा ७ छल्छ कता इहेगार्ड ।

কৰিকাত।, ৫০ নং অশার চিৎপুর রেডি, আদিভাক্ষসমাজ-পুত্তকালয়ে প্রাপ্তব্য।

শ্রীজের শ্রহিক্ষার-প্রভ্গ নারক		ক সংস্কৃত মাউকেয় বস্তাপুৰ মহাবীত-চলিত মাটক	वि ।		71-
चित्रकृतित साहेक	Sie	दवनीशस्त्रात्र सावित	2	310	260
সহাৰণা নাটক		FOLD EMA	4		ha
লাপত্তীমধ্যে নাটক	514.	dicataseming.	3		90
গৃহ্ধ কঠী ক সাইক	- Sir	বিশ্বনাগর্ভার কা	4		II.
সুরা-গাক্স নাটক-	314,	गाँनसस्य विश्वप	a	更和	- 10
ৰাণ্ডিকাখিছিত্ৰ	6,0	কপ্রেম্মর হা	8	i di	1
स्कित्यामानी माहिक	4	গ্রিরংশিকা (মধ্যাকাশিক)	2		

গতন পশ্তক

জীক্ষ্যোতিরিজ্ঞানাথ ঠাকুর এনীত।

(जाय क्य, नवासमीति, वासमीति, नवारमाहमा, त्याक हिना (तिरखर पाता कामगति) अधान क्षिपक मक्षकी (विनिध कामरण मूर्व े मूना नाव ग्रेडणा

शतकश्रद (कंश्ती भवे।हरकक अभ्य तृत्वांक) ... कृता ।..

২। থাপাছ রাণী (জাঁবন-বৃদ্ধান্ত) ত। এপিক্টেটনের উপরেশ

... gent se

एशिकान् नीकाद नाउँकः (देश्लीकि वर्देशक अनुवाद) मृता ५

२०५ तर वर्षभ्यानान क्षेत्र । व्यक्ष्यान प्रद्राणाथाराहरू-पृथ्वकानात अवर २० मर कर्नश्रानीन है। मध्य नवनश्चित्रवाटक वाखवा ।

গীতলিপি।

(নৃতন ব্ৰহ্মসঙ্কাট্ডের স্বরলিপিগ্রন্থ) ১ম খণ্ড।

मुना le/ = क्यू जाना ।

इक्सः मागाम हिर्ण्य त्यान्, मानिज्ञांचगमाच-गुरुकामस्य व्याश्चरा ।

তাদি ব্রাহ্মদমান্তের বিক্রেয় পুস্তকের তালিক।।

	No. of	CPC - HALL THE BUILDING	्रम्य ।
श्राकश्ची श्रमन व विकोद एवं कादनवी-	A41.1	ম্বলনাড ক্রালিণি (প্রণ্য চাপা)	480
कांबर (मण क के का एरवनामन सकरन		প্ৰথমতাত সংশিপ (২ছ ভাগ)	314
क शिर्वरी वाजानी सम्हत्।	36-	প্ৰথমভাত শ্বলিপি (১৪ডাগ)	5.14
		নুধানতাত ব্যবিপি (৪খ ভাগ)	312
অন্তথ্য (প্রস্ত সংখ্যুপ)		ব্ৰস্থপত প্ৰৱশিশি (ধ্য ভাগ)	oje.
ক্র (জাল কাছা) আন্তার্গের উপরেশ প্রথম শঞ্চ		शाका बामध्याचन पहरतक संबो कावनी	10-10-10
ঐ বিভাগের		श्चित्रहरूवालीका	204
-ইপনিয়ন সম		THE WORLD WINES TO SHARE THE PARTY OF THE PA	38+
লয়ে জান্ধধর্ম	100	वर्वभू-मान्त्र	100
अरह डे आध्यम (दर्गनांध्रह चक्दा)	11-	ব্যব্যবস্থ এক বৌধনবেঁর শ্রুপার স্থান্ত-	
থাকাতা সাক্ষ্ম প্ৰথম ব বিধার বঞ	Fa	dalaisa a dana	250
মালালা প্ৰাথবন্ধ (ভাবপথা স্থিত)	10.5		
লাক্ষণবের ব্যাব্যান (আন কার্যক ৬ আন		काशक्रवीत देशाम	R.A.P
Well)	e	Autobiography of	13.27
প্রাক্তরের ব্যাপ্যান সম্পূর্ণ (ছলত সংগ্রেক)	. Ge	Maharshi D. N. Tagore	28 4
वे (बीम)	3/	Ditto Paper Cover	2 ,, 10
ज्ञानभाषक वक, विषात्र, कराजीश्रक		Therst's Prayer Book	11 F 11
अक्षांवशाकता धरत वेशतन व शर्यक्रम	VESUS 9	Tubfati Muwabhiddea	
নংবাৰ একটো কলিকাডা বাৰ্নসাংক্ষেপ্ৰক	100	Doctrine of Christian	
व.चाणामन	1	Resurrection Offering of Srimat Maharehi	a 2 a
मुख्यिकिक करके प्रतिषद (दण्डनाथम प्रण्या)		Devendersalle Tagore	
ब्या गुन्त वर्षिम्या	n/a	Defence of Brahmoism	R.A.A.
প্ৰহেশ্যক ও ধ্ৰকি	J. Policy	and the Branmo Samaj	27 4 20
बर्भाभावम	S. R. E.	Adi B. Samaj as a Church	21 3 11
श्राद्शदम्ब		A Reply to the Query	
चत्रकार्था ठा-मध्यस् वचाच सम्बद	C.H.	"What is Brahmotion ?	n 4 is -
विश्वमार्थाचे स्मर्वकार्थ काकृतका चनकित		Theistic Teleration and	6.4
. बोदमञ्चित्र (कानदङ्गवार)	3	Diffusional Theirin	$n^{1}n$
কাগতে বাঁথা	N Mary	नासनावावन अस्य व स्कृति (১२ कात्र) ज्ञासनावावन वस्य व स्कृति (२१ कात्र)	10 10
मक्तिरम्दर्भक चा प्रकृतिक चित्रक शुक्र-भवारण	10/	विन-पटचा दशक्षा	10
काम व प्रचेत जिलान	100	नको बमकडी	
eप्रश्निका:		अध्यक्ष विश्व	Heren S
ता व ममारकड नकदिरम् डि क्रमरवर्ष	200	व (राम)	189
প্ৰাধিত স্থাৰ	10	केलीश	
बावरशासम वरह (तवी क बाबुब कर्के)	4.	datas	930
अध्यक्षीतं श्रम्पूर्व (১১१मो काम गरा)स.	Section.	शासनित पटवपन	
कंत दोवा)	514-	1	64
इस्तर्गाट २०२ वर्ष	. v.	প্রতিনিক্তন	de la
ব্ৰদ্ৰপটিত ১৯শ আৰ	9.	भणी छ हासिका जानगरी शाहरवोज्यान।	1
	15.57	I assert aless and	10
	The State of the last	STATE OF THE STATE OF THE PARTY	



विक पर प्रकारिकार्य करबीकात्मम् विकारावीक एवं सन्तेमकारम् । सर्वेष विक्षं आगामनम् विषयं कामन्त्रविक्षयविक्रीयक , सर्वेश्वापि सर्वेशियम् यूर्णेरपारं कर्पवित कर्पवित्रवृत्तम् पूर्वेशवित्रविति । विकास सर्वे वीदायमधाः प्रश्निकारं त्याक प्रकारकार्ति । सर्वित् वीधिकाम् विकारार्थं सावस्थ अव्यासकीय ।

> নামান শ্ৰীনভোক্তনাৰ ঠাকুৰ

সহকারী দশোদক ইচিন্তামনি চট্টোপার্থার

জনীতি সংগ্ৰহণনিক সংগ্ৰহণী মাধ্যনিক সংগ্ৰহণাশ্য নিগো হৈছ গং প্ৰাৰ্থনা মাধ্যনাক্ষা

श्रीकारणंख्य तारू वीहरूमच्या राजी जिल्लामक्त्राती द्वारी जिल्लामक्त्राती द्वारी

ৰ্ণিকাতা

খাহি-রাখনবাখ বল্লে

জীলবেশাল চক্ৰদতী যাল

মূল্লিড হ প্রভালিত ৷

बबना चंचात हिस्त्रेत्र त्यांच र

आंत ३०३६ । यथ्व ३०६७ । पश्चित्रकाच १०३६ । ३ श्रेष्ट प्रथलशेष १

ভৰবোদিনী পৰিকাৰ বাবিক মূলা ক, টাকা বাজ্যেক সংখ্যাত মূলা। ৮০। ভাক নাজন ৮০। আদিরাক্ষনমানের কার্যাগ্রাক্ষর মাধ্যে পাঠাইতে হইবে ৷

মহাভারতের সমগ্র মূল আবানে প্রান্তলভাবার জীলেরেন্দ্রনাথ ঠাক্র বি, এ ক'ৰ্ছৰ লক্ষণত। জন্তং অন্তাৰণ পর্য মহাভারত পড়িয়া উঠিবার অবকাশ বা ফ্রিথা বাঁহালের নাই, তাঁহার। এই পুত্তকপাঠে সমগ্র মহাভারত পাঠের ফল পাইবেন। আধুনিক ক'চি অসুমানে ইহা আবাল-মুদ্ধ ব্যান্তার পাঠোপযোগী হইয়াছে। ইহা প্রান্ত বহু পুতার এই বঙ্গে সমাপ্ত। মূলা ২, টাকা। ভাক মাতল সতন্ত।

क्षिकाका ब्राम्य जनाद हिश्मूत (बाक, व्यक्ति वाक्रमनारक आखेता।

সচিত্ৰ সচীক ভগবল্গীতা

প্রিযুক্ত সভ্যেক্তরাথ ঠাকুর কর্তৃক পরে বছবাধিত।

উপক্রমণিকার গীতাধর্ম আলোচনা। মূল লাল ও অমুবাদ কাল পালবে মুক্তিও ই উৎকৃতি কাগজ ও ফুল্বর বাঁধান। মূল্য ২০ টাকা। আদি প্রাক্ষমানে ও শ্রীযুক্ত ওক্ষান চটোপাধাবের নিকট প্রাপ্তব্য।

ইংরাজীতে মহযিদেবের আত্ম-জীবনী শ্রীযুক্ত সভোন্দ্রনাথ ঠাকুর প্রণীত স্কুল্য ২১০ জ্বীকা ।

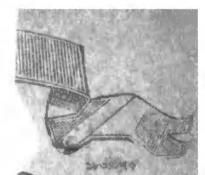
সন্ধির আল্ল-জীবনী কেবলমাত্র বল্লামার থাকার অন্যান্য প্রকেরণার্থে উলার পাঠ করিবার বিশেষ অপ্রবিধা ক্ষত । একণে সেই অপ্রবিধা দ্রকরণার্থে উলার ইংরাজা অসুধান প্রকাশিত হইল। ইলাতে মহর্ষিদেবের বিভিন্ন বহুলের ও তাঁহার পারিবারবর্গের ক্ষেকজনের আঁচার থানি চিত্র সাল্লেবেশিত হইলাছে। ইবার ভাষা সরল ও প্রাঞ্জন এবং সাধারণের পাঠোপযোগী।

व्याखियान—स्वनः चनांत्र हिल्लूष त्वांछ, चाविज्ञाकम्याम ।

মহর্ষিদেবের আগ-জীবনী

कामरण वीवा ... म्या २ जावीवा हुमा २

ব্রাহ্মধর্মগীতা।



ত্তুরোখনাপ্রাত্রকা

ैत्य म क्वितिक्षण चार्मकायात् विकामानीत्त दर्व सर्थमधानत् । सदिव विका प्रामसम्बद्ध विका स्वतास्तिकप्रवेशकोषिकी स्वत्रेच्याति सर्वितिकपु सर्वत्यव मर्वतित् सर्वतिक्षित्रपुर्व पूर्वास्त्रक्षिति । स्वत्रक्ष सर्वो वीकासंग्रेग - पार्रविकामिदिकास्त्र सम्भागति । सर्वित् भीतिकास्त्र स्विताकास्त्र सम्बद्धा सम्भागत् हर्

Mushing m.

औमर डाम्स्साथ ठी कूत

সহকারী সংশাদক

এতিন্তামণি চট্টোপাধ্যায়

	किल्लामधी साथी			7	3
(नवर्ष	विनोता जगे	118	244	TO BE Y	3
াক্ৰ কৰি বিয়াদের আগ্রহিয়া	श्रिकारिकितकाव शक्त	The same			-5
क्र देशावन	শ্ৰীল্যোতিবিজনাথ ঠাকুৰ	3	450	140	2
क गाडिबिकारन रमाक्षाशानि	ঞ্জিল্পানন্দ রায়		des.		1
দ্বীদেৰ সহিত হাৰ বাধ।	এ গতার চা দেখা		***	ner S	2
Pray ors	किया ठा समाप शेक्स	8	444		2
ানা হথা	डिडिकायनि क्राहेशनायाव	901	-	17 - 899	0.
	THE RESERVE TO SHARE THE PARTY OF THE PARTY				

ক্লিকাডা

শাণি-ত্রাগ্রহাল বত্রে

क्षित्रगरमाना एक वहाँ बाहा

যুক্তিক ও প্রকাশিক।

क्टना ज्याव क्रिक्ट्र त्वाज ।

AM 2020 | Aug 2000 | almount code | 3 Cult, afficient

ভৰবেতিনী পৰিকাৰ বাৰ্ষিক নুধা ৯. চাকা প্ৰায়ে ক সংখ্যাৰ কুবা ১৮০ - তাক ৰাজ্ব ১০ আনং ৮ শাদি আগবাদানের কর্মান্তকের নাবে পাঠিবৈত ব্রথে ১

महाक्षात्र कत महत्र न्या नक्षितः। अत्रर्भका মার, উলোরা এই পুস্তক ৰ্তুষায়ে টহা আবাল-ৰূ মটেও সমাও : মূল্য ২**া**• क्रिकाका ६६

সচিত্র সটীক ভগবদগীতা।

জিমুক্ত সভ্যেন্তনাথ ঠাকুর কর্ক

পরে ঋচপাদিত (

উপক্রমণিকার বীতাধর্ম আলোচনা। মূল লাল ও অসুবাদ কাল অকরে সুক্রিত। किंदकुन्छे काशल ६ ज्लाद वें।धान।

মুলা ২০০ টাক।

আদি এাক্সসাল, নজুমদার লাইত্রেরী ও জীযুক্ত গুরুদান চট্টোপাধ্যায়ের নিক্ট প্রা**ওখ্য**।

ন্ব-রত্নমালা (সচিত্র)

ঞাতি, স্মৃতি, মেধদ্ত প্ৰভৃতি সংস্কৃত কাবা, উত্তট ইংরাজী কবিতাবলী

হইতে রত্ন সংগ্রহ (ৰাজালা পদ্যাকুৰার)

মহারাঞ্ডীয় সাধু তুকারামের জীবনী ও অভঙ্গ সহ শ্রীযুক্ত সত্যেক্তর নাথ ঠাকুর সঙ্গলিত।

मूला >, अक होका माजा

eeবং অপার চিৎপুর রোড্--আদি রাজসমাজ পুত্তকালতে এবং ২০১মং কর্পভাষালিশ খ্রীটে -- জীযুক্ত গুরুলাস চট্টোপাধ্যাবের

মহর্ষিদেবের আস্ব-জীবনী

কাপড়ে বাঁখা वारोश

ব্ৰাহ্মধৰ্মগাত।

ं (अव्हिट्स्ट्वत आधारणीत व्याव्याद्यत श्रेषाञ्चात)

क्षेत्र शिक्ष क्षित्रक दीवा ३३० होका ।

५८ शकात

भागि अधिकममारक भारत्या गाँद।

ব্রদাসস্থাত-স্ক্রলিপি।

शिका जालीहरूव तमन शत्रक ।

ম্লা-প্রথম ভাগ থাও, দিভাম ভাগ ১৩, ভৃত্যি ভাগ মান্ত্র ंदर दिन फार्ट्सन मुना जकराद रू हाना। के इन्हर्य छात्र। सर शकारि, छ। ५०। অব্লিপ্ত অসমতে ব্ৰামান্ত প্ৰক হইতে জীয়াক যাসু মুখ্য প্ৰাক্ষ, কোটো চন্দ্ৰ ব ঠাকুর, স্থিতেজনাপ টাড়ত এবং রাজে রামটোর্ন ছাও প্রভাক মন্ত্রাপ্তান্ত রাহিত ভাল ভালে সঙ্গাতের পরবিশ্রি ইবাতে নাগবিকী করা ক্রাড্রাড়ে । এই সংখ্যিপালছতি প্র সম্বল ও দহল। এমন কি, ধাকাদের একটু জর জান লাচ্চ, তারের। শিক্ষকের সাহাল ধারেজ বির্বাহ্যিতি ,ববিয়াই গামগুলি বিক্ষা করিছে লাইছবেন। প্রতির্বিত পুত্র মুলাছত দেৱত সাহসাবা, দে ছিলাবে দাধারণের জবিধার জন্ম, ইহার মূল ও পুলম্ভ করা ছইচাছে। কলিকাতা, ৫৫ না অপরে চিৎপুর মোছ, আদি রাজস্মানি পুরুকালয়ে প্রাপ্তবা ।

শ্রীজ্যোতিরিক্সনাথ হৈত্ব কভূক সংগ্রত নাটকেয় বলাসুবাদ :

					1.7	
অভিযান-বৃদ্ধণ নাট্য	(বলাস্বাল) সুধা	1 3/	মধ্বীয়-চলিত বাংশিক	2	p 3	384
किंद्र अधिक अधिक	il i	51+	(विकेशस्त्रात्र स्क्रिक	ALC:		314/+
गङ्गवसी नार्वक	A	laj'e	১৩ কৌশিক	, 3		\$10°
लडोभावन नारेक	à .	5(p*+	- व्याद वर्गमान्द्रज्ञात्वाच	·* 44		24
मुक्त . ते भ नाते क	· 45	58+	বিদ্ধান্য চল্লিকা	- A	e.	
बुद्धा-काक्षम वाहेक	ài	514	ধনঞ্চ বিভয়ে	a		[+]
क्षण अन्य कृष्टि । विद्या	à .	fry t	, वर भू विभाग की	4		lt=
विकासिको सहिक	è	fq+	বিষয়পশিকা (সংক্র	কালিভ) 🐧 🕆		\$6

নৃত্তন পুত্তক

জিকোতিবিজ্ঞাণ হাকুর প্রাটিত।

পুরুষ্টে স্ফ্রেরী। (আগতেও, সমাজনীতি, গালনীতি, সমালোচনা, পোত চেন। [চিমের কাল ব্যাখাতে] তত্ত্বি বিবিধ প্রদাসে পূর্ব) স্বা ১৪০ টাকা।

১৭ ভারতবংগ (জল্পী প্রতিকের প্রমণ কুল্লাস) 💀 সুলারত

ধা কাথীর রাখা (জাবন-মুক্তান্ত) ত স্থা গ্র ত। এশিক্টেটবের উপলেশ : ১০ সুবা ১৮

। , विवाद नीकाद शाउँक (दे चाकि कडेटक सञ्चल) मूला b.

२०5 मध् कर्पवसानीम क्रिके। श्री कक्षणाम क्राप्टिम्पाधाप्टक्य--- गुप्तकागर्व उत्तर् २ स्वास्थापिन है। हैं इ.स.चा प्रकाष्ट्रप्रयोधक व्याधना ।

का.मि आस्त्रवादशत विदक्ष भूष अर्ब

ं नाता द्यांना । नाजन	0 139	And I will be a second	
	[1] 1	and the first and the b	- 454
विश्वतान संसम् ५ किही। एक प्रदिन्देश		ब्रह्मक्षांड अर्थनिन । अन्य ना । ।	30 a 15
अ १०७१ वृत्त क क्षेत्रका (न नन्तुव्य अव्यदक	- 1	<u>৪৯ কাও বছবিশি (২৪ চাপ)</u>	24- 18
७ १(५७३) ५.माम् ५५६)	1011	अभ्यम्भाद्य प्रविधि ११व छात्र।	38+ "
्याच्याची , संग्रह अरणक्य)	E+	ব্ৰহ্মণ্ডলৈ ব্যুলিলি (এই ক্ৰাপ)	oja 5
के (क्यून क्षेत्रक)	lg+	इ वा बह्यद्यावम् बाटवकं शक्तकायको,	10.11
व्यक्तिक के उपन श्रम्भ भ त	I.		
্ ক বিভার বদ ক	111	क्षेत्रहण्याका	9,50
् अर्थात्रका अन	10-1	सर् श्वा शाना	1
特色等 導:衛星保	10	भागान्या अवर इनोश्रम्धानिक ग्रहाणन ग्रहर	
ি গুলু ভ প্ৰাঞ্জনাৰ : তেগবলালী র প্ৰসংগ্র	14	nissis a secta	14 14
ত্ৰণ্য সংখ্যক (টাকা দতি ছ)	lo i	4410143	V 02.3
ি ব্যক্তি প্ৰান্ধণৰ পথন ৬ ডিডীয় ৰ ছ	10	कांत्रवस्था हेरबाक	1 %
ন্ত্ৰালা কাদেশে (ভাষণেকা ক্তিড)	- (*		R.A.Ph
নাজনবেরি সংখিতির (জান কার্যার পার		Theist's Prayer Beck	$_{\rm p}1_{\rm m}$,
\$14))		Tubilati Mawathardin	0 4 22
প্রাক্ষর হের সংগ্রাহন সম্পূর্ণ (প্রাক্ত সংগ্রাক)	lija -	Doctrine of Christian	
के वि (वेहमा)	31	Resurrection	2775
, आक्रशासद यस, विचान, कवानी प्रक		Offering of Scient Mahareki	1. 1.
अभीवनशालास्य सन्त केणरत्ता च समझम		Derendernath Tagore	ور لرز
大大河南 选择证据	ter's	, बाक्सवावत दक्षक व श्रुवा (अय कार्र)	
करिकाक राज्यमहरू रेख् हा	30	व्यापादार रक्ष प्रकृतः (२३ वान)	44
diminish.	/+	विम्-परवाद (अवका	H, S
বুলিস্তিত ক্রিংপ্রিয়ং (রেগ্রসংখ্যা শশতে)	4=	ं त्रको हमकती	44
্লাভ হয়নিদ্যা -			40
' প্রশেক ৬ ৬ মুফি	47	े विकिन्द्यवर्त्त (अपनायाव्यम सञ्जात छ।	31
- वटणाल्यम् । -	17	हे वेश विश्वतित असन्ताः -	40
पंग्रहादशब	14	Defence of Brahmounn	R.A.P.
- अभवताना जान्यस्य यणास्य वास्त्रात्	1 10	and the Branno Same	nda S
श्चिममधर्वि (पर्वक्रमाथ केर्नुसम संबंधिय		Brainnie Advice, Cantica	
জীবনগড়িড (কাশ্যক বাবা)	3110	and Help	21 - 12 -
কণ্যকে বংখা নঃ মিরেংগ্য আয়ারিক পরিঃ পুর্বাণ্যরাপ	P+	Adi B. Samaj as a Church	16.0 mg
	le/ -	A Reply to the Query	
াজান ও মংখার উপাইখ		"What is Brahmolum ?	30 f 10
्र अपः विका	w/ n	Ti. sistic Toleration and	
ল্লাক গমানের পঞ্চবিংশতি বহুমবের		Diffusion of Theiam	,,1,
প্রাক্তিত সুখ্যান্ত	70	नागाविक स्वार्थक कविशाविकिविक्या	4.
कामात्राकन काम (वनी आ गावुस काम)	e/a		
্রভারতীত সপুর্ব ১৯৭৭ চাক প্রায়		अध्यक्ष ने हैं।	31.
	210/4	के (श्रेश)	184
ी । काम शासा) 		के त्ली था	10 %
কলংগী ত >=ৰ ভাগ	4-	4 - 11 - 11	A.40
হড্পজীত ১৯শ ভাষ	0/1	হারামণির শংখনণ	190
		•	

ব্রনাসঙ্গীত-স্বলিরপি।

আনি ব্যাধাননাক্ষের মন্তব্য গানক শ্রীকামালীনেরণ সেন প্রার্থিত।

ঘূলা—প্রথম ভাগ ২৮০, বিভাগ ভাগ ১০০, তৃতীর ভাগ ।৽,

চতুর্ব ভাগতি পুত্রক হইতে উন্নাল বাবু বর্ণজনাথ চাকুর, জ্যোতিবিজ্ঞান চাকুর, বিশেল্পনাথ চাকুর এবং বাজা রাগমোহন রায় প্রকৃতি স্বালাগণের রচিত ভাগ ভাগ লগতের অরলিপি ইহাতে স্বিবিট করা হইছাছে। এই অরালপি-প্রভাত ব্য সর্বাভিত্ত ব্য স্বালাগতের অরলিপি ইহাতে স্বিবিট করা হইছাছে। এই অরালপি-প্রভাত ব্য সর্বাভিত্ত ব্য স্বালা আছে, উলোলা শিক্তকের সাহায়া-বাতাত অর্নিপি বেধিরাই গ্রেডিল শিকা করিতে পারিবেন। বর্লিপি পুত্রক মুল্লাজন শেক্তপ ব্যবস্থা, সে হিসাবে সাহায়াবের অবিধার জনা, ইহার মূলাও অল্প ক্রাছ্ট্রাছে।

কলিকান্তা, ce নং লপার ভিৎপুর রোচ, আনিত্রাল্যমাল-পুরুকালয়ে প্রা**র্থাঃ**

জীজ্যোতিরিপ্রনাথ ঠাক্র কর্ত্ত সংস্কৃত নাট্ডের বলাসুবাল।
অভিক্র-শস্ত্র নটের (বলাগ্রাম) গুলন ১২ নহাবীল-চরিত নাট্ড ঐ ,
উল্লেখ্ডিয় নটেড ঐ ,

केंबन-इंडिंड नरहें क	9	5 4	বেশীসংখ্যপ্ত স্বাটক	3	-	254/4
वकारणे नार्षक	à	èlia	इक्र कोलिक	à		Apr. 1
वानकीसावन मार्डक	à.	blo/+	- ACATASEMTOR	9 .		3-4
मृद्ध्यक्रिम नार्वक	- 2	58-	বিদ্যালয় ক্রিকা	4	ъ,	84.5
भूआ-बाक्त माडेक	- 2	310	- व्यवस्था (व्यवस	32		44.1
৯ শোবিকার্ফিনির	4	bje	कर्न्दरक्ष री	3		9+1
fanscarmilt utbu	- 4	lips.	বিষেদ্যলিক। (প্রবাদ্যালিক)	3		194

মূতন পুত্তক

क्षित्वां जिल्लिक्ताथ ठाकृत क्षति ।

প্রায়ন্ত মঞ্জনী । (আৰম্ভণ, সমাজনীতি, বাজনীতি, সমালোচনা, গোল ভেনা (তিজার বালা ব্যাবরত) প্রকৃতি বিশ্বিধ প্রসংখ পূর্ব) দুল্য ১৪০ টাজা।

क्षिल्यार्थ (क्यामी ननाग्रेटक्य अथन पृक्कक) ··· दुना १०

का वानी (कीपम-वृक्षक) ··· वृणा । -

এপিক্টেটাসের উপরেশ
 র্গিরাণ্ নীজার নাইক্ (ইংরাজি ক্ইচে কর্ত্বার) সুব্য ১১

२०० सर कर्गतवानीत् क्षेत्रे । क्षेत्रकाता स्टब्स्याधारवात-प्रक्रकाताय अवर २० वर कर्गतवातीत क्षेत्रे वक्षत्रभावतानेद्रवाट व्यावसः ।

গীতলিপি।

(নৃত্ন ব্রহ্মসজাতের দ্বরলিপিএছ) ১ম ৭৩।

युना । 🗸 । इस माना ।

4 क्षमः स्थात विश्वेत द्वाम्, सानिज्ञानमन भूक्षमानाम आधारा ।

আনি ব্রাক্ষণয়কের বিজেন পুতকের গ্রানিক।।

	i		वंग्यं ।
अध्यक्ष कारण व निजी व च पु ठार्टणी-	A43 . 1	এখনতাত কৰ্মজুল ব্যাপন স্থাপ ।	294
	1	ষ্ণাল্য স্থাপশি (বাচ কাল)	314
मुक्तित (मृत्र क रिका स्वतन्त्रिय चंक्रास	1	এক্সেন্ড তথ লগি (ক্যাপ্ৰাপ)	5 40
क व्यवस्थान अवस्था विश्ववित्र	105 -	स्वास्त्रोति करामान्य (४ वं स ागः)	3195
अभिनेत्र (व्याप्त अभिनेत्र)	*	পুল্লনক ভাৰত বিশ্ব (কম ভাগে ট	2(
<u>১</u> . ভাক বাবা।	10-		
बाह्यक्षेत्र हैंगटिन व क्रमेश क्रम	H+ 1	शान्तः बाबस्यसम्बद्धः पारत्यः मध्यः वाननी	190
ঐ বিভাগ কক	H - 1	क्रिक्रक्रण वनारी छ।	· 레스/
উপনিবদ প্রশা	18	STECH PORT	384
প্রত সংখ্যার্থ	1 1	कारणात्रक कार एकावार केंद्र नवालाई वर्षा-	
सम्बद्ध अस्तिमा (८५०-४१ ग्रेस्ट्रि)	1 1	ব্যাভাপতে ও স্থাপীত	arkey.
Spell State Mar 5 4 4 4 40	11	अवर्गकान्य:	father the fire
े बाजाना अध्योषक (छ) यम्म (मुक्कि)	84	कामकामनीम रेखाव	The same
ज्ञाब्यस्थान साम्यान । सान कार्यक व कार्य	!		Billy
4540 }	4/ 1	Autobiography of	
ঞ্জারপোর ব্যাধানে সূপ্রের (জন্ম সংখ্যার)	liq a	Maharshi D. N. Tagore	±8 %
अर्थ के (गांधा)	3/	Days Paper Cover	2
जाभवात्रव, यत्र, देवर्गान, जनस्तीपुर		These Prayer Buck	y, ₩ (%)
क्षांत्रमान्द्र भए । उभारतम् । अवस्त		Tubbel Buwahholder -	19 1/2 22
त्रश्चे व्यक्त	36/4	Dogreine A Threstian	
कतिकाका आध्यमदिक्य ग्रेस्ट्रिका	1e	Restrances	22.74
्रे अर्थान्त्रम्भी कृष्टिक्रक्तिः बार्ट्यान्यिक्ट (दश्यकागणः संगटक)	<i>j=</i>	Offering of Srimut Mahambi	
		Devenderanth Tagore	RA A
चायक्रविद्या	ef e	Defence of Brahmotsus	Hart State
सक्र(मा के व भूकि	14	Adi B. Saronj as a Church	7 3 W
REMITTERM RECORDED	ji-	A Reply to the Query	7 10
অপ্রক্তিন্সংগ্রন্থ বাদাস্থাবাদসভ	1+	"Wint is Brahmonau y	الرادر"
क्षेत्रमा वि सार्वता नाम केन्द्रमा वर्गात्रक	,-	Theistic Toleration and	
অধ্বসত্তিক (সংগ্রহ বাবা)	3/	Diffusional Theisia	, L ,,
आशास नेता	20	श्चामध्वाका रक्षकं राज्य का (३४ का०)	20
वंश्वी सरक्त मा फुल्लिस ग्रिका गुर्क भक्तार	8+	Binnigten tur bef mi (to bin)	1, 1966
WIN e scrie Safe	ligit o	किन-गरना दक्षाना	çe.
अप विकास ।	W 1	े नवी ठमधडी	4
লাম স্থাত্তর পঞ্চবিশ্বেরি বুছুমারের		(कामाश्रम किया	24 3
		के (वेग्म)	260
প্রাক্তিক চক্ষাৰ	/+	केलरीवां :	14
ं क्रीमहामध्य प्राप्त । १४वी तः प्र ाप्तक सम् वः)	4/4	शंक्षामा .	473.4
अध्यक्षेत्रे र रामुर्व (५५५० 'व्हर्य नगरवा,		रादामनित वादक्ष	地震
mint Ater 1	116/4	44	See See
अध्यक्षाक ५-॥ काम	- i-	भागित्रेम् कार्य	10
্রদ্দারিত ১১৭ ওবে		া সম্বাদ্ধ চাল্লিকা	3
	4.8	(काशामी अ ! इन्यूं कर् नाः	14.



तम् या यक्तिवस्य वाजीवात्रम् विक्शाधीयांददं जनैक्ककात् । स्टेंड क्रिकः ताल्यस्य विशे कालकविष्यवस्थितीयम् वजीवश्रव वर्णमिकम् वजीवदां वर्णियन् स्वैवतिष्यक्षेत्रस्थित् स्वैवतिष्यक्षेत्रस्थितः। यक्षणः सर्वे दोशावश्रवः वादिकामें विकास कालकात् । वर्णमिक्ष्यं विकासः वीवासम्ब स्वराधनमेव ।''

जन्मावस्

এসভোজনাপ ঠাকুর

সহকারী গণ্যাবক জি**ডিডাম**শি চট্টোপাধ্যার

আচার্টের উপ্রেশ সভা, কৃষ্ণত, মধুনা অক্ষরত প্রেপ্নার্ পরস্পিতা প্রক্রেক সভাগ আর্থন ইন্ডেড্ডান্থ চাকুৰ ইন্ডাভিনিক্ষণ চাকুৰ ইন্ডিড্ডা ব্যা ইন্ডাভিডা ব্যা ইন্ডাভিডা কেনী ইন্ডাভ ক্ষুত্ৰী দেবী ইন্ডিডাৰ্মি ক্ষুত্ৰী

কলিক তা

বাদি-ভাক্তনশ্ৰুত বতে

জীৱণগোপাল চক্তবর্তী দারা

্ত্ৰ বিভিন্ন ও প্ৰকাশিত। ত্ৰু তিন্তুৰ লগাৰ চিৎশ্ব লোচ।

লাম ১০২৭ । সাধ্য ১৯৬৭ । কালিপতাক ৭০২২ । ২ বৈশবৈ, রাশ্যতিবাধ । স্থান্য তন্ টাক্ষা কাজে ।

ভলবোধিনী পৰিকোৰ বাৰিক বুজা ৩, টাকা আছোক সংখ্যার বুলা ৮/০ ৷ তাক সাক্ষম ৮০ সামা ৷ আন্তির'অসমানের কার্য্যার্থাকের নাবে পড়েইতে হইবে।

মহাভারতের সমগ্র মূল আধানে প্রাঞ্জলতাযায় ঐতহেক্তনাথ চাকুর বিং এ কর্তৃক শ্বিলিত। স্বৃদ্ধ অকীলৰ প্ৰয় মহাজাৱত প্ৰিয়া উঠিবার অবকাৰ বা প্ৰবিধা বাঁহালের বিনিট, ঠারার। এই পুরুক্পাঠে সমগ্র মহাভারত পাঠের ফল পাইবেন। আধুনিক ক্রচি অনুসারে ইবা আবাল-বৃদ্ধ-বনিভার পাঠোপবোগী ব্যরাছে। ইবা প্রাচ ছয় শত পুত্রি ছই ৰতি সমাপ্ত। মূলা ২ টাকা। ডাক মাতল কতন্ত্ৰ।

कशिकाका ब्रद्धमा भगात हिरमूह द्वाफ, थोनि आक्रमात्व आसीमा।

সচিত্র সটীক ভগবদগীতা।

শ্রীযুক্ত মতেন্ত্রভাগ চাকুর কর্তৃক

भरमा असमिति छ ।

উপক্ষণিকার গীতাখ্য আলোচনা। মূল লাল ও অফুবার কাল অক্রে মুদ্রিত। उरकृष्ठे कामक ६ छन्दत दीमान। म्भा २ होका। चानि आक्रमशत्क व औगुक्त कन्नमान हत्हीलाधारवत्र निक्षे वाश्याः।

रे ताजीए बर्बिएए वर्ष जाजू-जीवनी

শ্রীযুক্ত সভ্যোক্তনাথ ঠাকুর প্রণীত সূল্য ২॥০ ভাকা।

মহ্যির সার্-জীবনী কেবলমাত্র বঙ্গভাষার গাভার স্বন্যান; প্রচেশের লোকের উহা माठे कतिवात विरामेद सञ्चिथा हरेख। अकटन साहे अञ्चित्रण मृत्रकतनोहर्य **डेश्रत है** स्त्रीको , অক্ষাদ প্রকাশিত হটল। ইহাতে মহর্ষিদেবের বিভিন্ন বয়সের ও তাঁহার পরিবারবর্গের ক্ষেক্তনের পাঠার গানি চিত্র সমিবেশি**ত হই**রাছে। ইহার ভাষা সরল ও প্রায়েল এবং -সাধারণের পাঠে:প্রেটারী।

প্রাবিস্থান—বর্থনা অপার চিৎপুর রোড, আদিত্রাজাসমাজ।

মহর্ষিদেবের আগ্র-জীবনী

কাপড়ে বাঁধা **मारोश**

ব্ৰাহ্মধৰ্মগীত।

(अरुविद्वस्यत्र जाक्रवरका बाध्याद्यतः शहानुबाह)

शाम वेश्या काशस्य नेत्रा

चानि खोषनशास शोवता राज।

ব্রহ্মসঙ্গীত-শ্বলিরপি।

আদি বাৰ্দ্যাক্ষেপ্ন শ্ৰেড্য গাৰ্ড শ্ৰিকাকালীচন্দ্ৰ দেন প্ৰাণ্ড ।

মূলা—প্রথম ভাগ ২॥০, দ্বিতীয়-ভাগ ১০, তৃতীয় ভাগ ১০, চতুর্য ভাগ ১০, প্রথম ভাগ (নৰ প্রকাশিত) ১০০। আনিরাক্ষনমানের প্রথম করিছে বাবু রবীজনাব চাকুর, জোভিরিজনাব চাকুর, দিকেজনাব চাকুর এবং রাজা রামধোহন রাম প্রভৃতি মহালাগনের লচিত ভাল খাল ললীতের ক্রনিশি ইহাতে সমিষিট করা হইরাছে। এই ক্রনিশি-পদ্দিভ প্র ব্রন্ধ ও সহজ। এমন কি, বাহানের একটু হার ভান আছে, ভাহারা শিক্ষকের সাহাব্য-বাভাত প্রনিশি কেবিহাই পানগুলি শিক্ষা করিতে পারিবেন। প্রনিশি-পুত্তক-মুদ্রোক্র ব্রেরপ ব্রধ্যাধ্য, লে হিনাবে সাধারণের হুবিধার ক্রম্য, ইহার মূলাও হালভ করা হুইয়াছে।

কলিকাতা, ৫৫ নং অপার চিৎপুর রোভ, আদিতালসমাল-পুরুকালরে প্রতিব্য ।

ोिएका	কি নি মেন	াখ ঠাকু	च क	ক সংখ্ৰত মাটকেয় বলাসুৰ	ो ग ।		
অভিভান-প্ৰা নাইক	(कार्युकार) मृत्रा	34	মধানীয়-চরিক নাটক	₩.	tr	15[0
উদ্ব-চবিত নাট্ৰ	≥ ×		31+	(विशेष्ट्र नाहक	- 2		No.
वकारको नाहेक	· 2		açu .	इक्टब्रेनिक	à		Ŋя
व्यानकीयाध्य अन्तिक	ä		314/+	व्यवस्थान	à	_	34
मुख्य महिक अपूर्व क	d)	er .	58+	বিভাগত বিভাগ	à .		jin.
বুজ্ল-বাঞ্চল মাটক	20		250	नसम्प्रित्तन	*		(1)
লাকবি কাঞ্চিতিক	à	.p	dya	कर्ण्टमस्त्री	à .		i i
विकास संभी नावेक	à		ège	বিষয়বলিকা (নম্প্রকাশিক)	No.		10

নৃতন পুস্তক

জীজ্যোডিরিস্তনেশ ঠাকুর প্রণীত 1

ক্ষিত্ৰ সমায়ী ৷ (আছতৰ, সমাধানীতি, বাধানীতি, নমানোচনা, পোল চেনা [টিয়েৰ বারা ব্যাধানী বাজাতী বিধিধ প্ৰসংগ পূথ ৷ মুলা সাং টাখা :

अतिक्वर्य (अवामी निर्माहरक्ष असन वृक्षात) · · प्रमा । •

হ। বাঁশীয় রাণী (কীবন-মুক্তার) --- মূলা ।
া এপিফ্সটটমের উপদেশ --- মূলা ।-

अन्तराम् नीवरंद नांत्रेकं (देश्वांकि न्तरक कर्वांक) भूतर ३०

্ ২০১ মং কর্ণত্বপোস ইটি। উচ্চত্বপুশে চট্টোপাধ্যাছের—পুত্তকাশকে এবং ২০ মং কর্ণত্বপ্রীস ইটি ক্রিমান্বপ্যইত্রেরণেও মাধিবচ।

গীতলিপি।

(মৃত্যু ব্রহ্মদক্ষীতের স্বরলিপিঞ্ছ)

১ম পশু ।

युवा । । इब माना ।

east जगांत हिरशूह लांक, जातिजाकामाञ्च-প्यकानस्य काश्यम ।

आिम खोणानभारअंत्र विद्यास शृख्यक्त शामिको ।

<u>. </u>			व्यवद्
ু প্ৰাৰণৰ প্ৰথম ২ কিন্তীয় বঞ্চ ভাৰণৰ্ক্ত-	44) F	ব্ৰহ্মক্টাত প্ৰচিদি (প্ৰথম তাপ)	56+
প্ৰতিত (স্থা ও টাকা বেকনাথর ক্ষকতে		ব্ৰদ্যাত সংগিশি (২৯ আগ)	31+
क सारश्ये श्रीकारा चक्रमा		अधनको उ पराणि (०० जान)	31
	400		
विवासम्बद्धः (स्ट्रान्त ज्ञादश्चनः) वि		রখননীত হরনিশি (বর্ণ জান)	-\$1e.
के (खान देखा)	ligo.	র্জনভাত পদলিবি (এম ভাগ)	>1+
্তিবার ক্রিয়ার কর জিলার কর	114	जाका वागरमास्य जारबद्ध संगोकावणी	10
্ৰী ছিৱার পঞ্ ি শিপনিষদ রাম	9 -	धितश्चमनोक्रा	188 +
লকে সংখ্যম	PA -	स्टरक-प्रांमा	514
मध्य ह अध्यक्ष ((क्षत्राम्य क्षक(क)	to the	जावामक कर सोवस्त्रक वक्षणव चांच-	
	·	্লডিবার ও স্থাও	40
অস্থাপ্য আত্মধর্ম সধ্য ও খিতার পঞ্জ	14	মহাত্তাৰত	A8+
্লালালা এক্ষিণী (ভাবপৰী স্ক্রিয়) টি	pa .	जावकरीय रेट्सांच	†e-
्रवाचनत्त्रच राज्यान (अन्य कार्यक क बाल			R.A.P
रीका)	E	Autobiography of	
্ডাৰ্ছণকের ব্যাক্ষান সূপ্ত (প্ৰল্ভ সংবয়ন)	2pm	Matarshi D. N. Tagore	28 ,,
े वे (वीरश) <u>१</u>	3/	Diato Paper Cover	2 37 23
धाक्रमाचेत्र मण्ड, निर्मात, क्रमानेपुत्र		Theist's Prayer Book	and the same
विश्वविभागित्व सम्ब देशालम् । स्वयंक्र		Tubiati Merabhiddia	21 4 19
ऋता व्यव	je/ =	Doctrine of Christian	
্জলিকাজা এগ্ৰহকার বজু ৩ ৷	H	Resurrection	17 2 39
्र काणामकः 	10	Offering of Srimat Maharahi	
্ৰান্তস্থিত কৰ্মেশ্বনিভ্গ (৫৫ ধন্যাগয় অঞ্চয়) উল্লেখ্য কৰিবলং	do	Devenderbath Tagere	n 1 as
অধ্যাত কংবকা: প্রামোক ও ব্যক্তি	d'e	Defence of Brahmoina and the Brahmo Samaj	R.A.A.
्रा पद्मानाक छ दा क रा चंद्रवर्गदरम्		Adi B. Samaj as a Cuurch	n 3 'm
विद्यारम्	3*	A Reply to the Query	11 3 11
्र चारपार्थन्य हे चनवनशैका-मर ाव यं चा क्रमा समृह	Er te	"What is Brahmesen ?	n 4 u
व्ययकार्य वर्षा प्रत्यक वर्षा प्रत्यक वर्षा वर्मा वर्षा वर्मा वर्षा वर्या वर्षा वर्षा वर वर्षा व		Theistic Toleration and	W 3 W
वीयमहिक (कांगरफ रोगा)	3	Diffusionof Themra	ور الرا
कालद्य देशि	38-	वास्थाना रङ्ग वस्ता (३३ %)	la.
विश्वविद्यालय भागान्तिक वृक्ति वृक्त-वृक्तिन	la.	शासनावासन रक्षत्र २क, वा.(२३ छ।५)	, •
काम व बर्द्यन चेतरि	le/+	हिन्दरभा व्यक्तका	ge.
্ৰহ িক	97.5	नकी डंबबची	45
		ত্রাহ্মপথ গ্রন্থা	3%
वाष मनारक्ष नकविश्वित वस्त्रदक्ष		वे (शक्)	38+
প্ৰীক্ষিত্ৰ ভূত্তৰ	/# :	के को श	19
नांगामाञ्ज बात्र (४वी छ नामुक्त क्रफ)	4-	श्रीराज्य	dre
वन्त्रज्ञीत म्ल्यूर्ग (३३मण कान नवास, 🔻		राज्ञाननित्र करपरश	de .
डान रीका)	316	y d	liger .
অপ্ৰকৃতি ১০ই আগ		শারিনিক্তের স্থাতি চল্লিকা	10
विश्वनदीय ५३न प्राप्त		শাণ্ড চারকা আন্টারী মানেবীকার	1
%.		and the second section of	10



"क्या था एक किन्त्रम्य परवीत्रायन किन्द्रमाधील बेर्च मर्कनकत्त्व । सरीव विक् आसम्बन्ध क्रियं कारण्यस्थितवर्षणीयाधिनीयम्

्र कलं जावि न लेक्स्यक् वर्त्वा १४ वर्त्वावन सर्वेशाह नदस्य पूर्वेशवर्तित निर्ति । चलक तले वीपायनकः

पार्ग्यक्रेनेविक्य व्रभुषवर्गि । सम्बद् पैनिक्क्स प्रिवसाध्ये वाधन्य तद्यावनमेत्र ;"

Should beg

গ্রিসভোক্তনাথ ঠাকুর

সহকারী সম্পাদক জীচিন্তামণি চট্টোপাধ্যায়

র্থানিক শিক্ষিপানে জ্যোৎসর বাচার পিরি-গানে মবির জারিটা বাচার রাজন্যানে নধ্যব করা, প্রস্কর, মন্ত্র কাঠিকেন উপ্তলন প্রার্থনা

के शिक्षांच राजी	149	944	29
জ্বিদভোজনাথ ঠাকুর	100	440	25
শ্ৰীবড়োপনাৰ চাক্ত	-0,703	***	39:
শ্ৰীৰোভিত্তিকৰণে চাকুৰ	414	***	420
শ্রীকানীবর বেদ্যপ্রবাদীদ	449	411	Se.
निर्देशमध्य दलकी	111	***	og.
क्षित्रदश्यकृषाती शतकी	191	40	98
क्रीहि प्रापृति ६८देशभूग्यासम्	+**	***	Q.g

কলিকাড়৷

খাদি-বান্মসমার মন্ত্রে

वितनरभागान हक्ष्में ही बाता

बुव्यिक क श्राका कि ।

बरबर प्रशास विषयू । हेराज ।

जाक १०३५ । बंधव २४०५ हे कवित्तवाच वहाँ । ५ देखांडे, बरिहांच ।

ভৰবোধিনী পৰিকাৰ কাৰ্যক নুধা কা নিকা অক্টো ক সংখ্যাৰ বৃধ্য ৮০ । ভাক বাৰুণ ৮০ সান্য

পানি এক্সেম্যকের কার্যান্যকের নাহে প্রাটান্যক ধ্রীবে।

নহ ভারতের সম্বা মূল আবান প্রাঞ্জনভাবার জীতরেন্দ্রনার ঠাকুর বি, এ কর্ত্ত লক্ষণিত। গুরুহং অন্তাদশ প্রা মহাভারত পড়িরা উঠিবার অবকংশ হা অবিধা বাঁহাদের নাই, উল্লেখ্য এই পুস্তকপাতে সমগ্র মহাভারত পাঠের কল পাইবেম। আধুনিক ক্রি স্থানে ইহা আবাল-মুদ্ধ বনিজ্যি পাঠোপগোগী হইছাছে। ইহা আর ছয় শত পৃষ্ঠায় মুদ্ধী MAY 10 বিধিন সমাপ্ত। সুলা ২১ টাকা। ভাক মাণ্ডল বত্রা।

क्षिणातः। ववार समाह हिल्लुन (ताए, मानि लासम्बाद्ध व्याखना ।

সচিত্ৰ সচীক ভগবলগীতা।

জীযুক্ত সত্যেত্রনাথ ঠাকুর কর্তৃক বল্পে সহস্থাতি ।

উপজ্ঞানিকার গীতাবর্ণ আলোচনা। মূল লাল ও অনুবাদ কাল ককরে সুদ্রিত। উংকৃত কাপল ও প্রদার বাঁগান। মূল্য ২, টাকা। আদি এক্সেমাজে ও শ্রীষ্ট্রত ওক্সাম চট্টোপাখ্যারের নিকট প্রাপ্তবা।

ইংরাজীতে মহষিদেবের আত্ম-জীবনী

প্রীযুক্ত সভোক্রনাথ সকর প্রণীত সুক্রা ২11০ ভাক্রা 1

মহানির আবা জীবনী কেবলনাত্র বলভাষার থাকার জন্যান্য প্রদেশের বোকের উহা পাঠ করিবার বিশেষ অপুনিধা হইত। একংশ সেই অপুনিধা দূরকরণার্থে উহার ইংরাজী অকুবাদ প্রকাশিত হইল। ইহাতে মহাবিদেবের বিভিন্ন বহুসের ও ওাহার পরিবারবর্গের বিশেষ কটার অধিন চিত্র সমিবেশিশু হইয়াছে। ইহার ভাষা সরল ও প্রাঞ্জন একং সাধারণের প্রিচাপযোগী।

প্রাধিখান—৫৫নং খণার চিৎপুর রোড, খাছিত্রাল্পনাল।

মংর্ষিদেবের আশ-জীবনী

कामरक् बीची --- एमा २० भारतियो --- , जी-

চিত্ররেখা — নূতন গল্পের বই।

জীহ্ধীজনাৰ চাক্র এণীত। সূলা ॥ বালা। কাধান প্রকালকে প্রকাশ

ত্র ক্ষসঙ্গীত-শ্বলিরপি।

আদি প্রাক্তরগ্রের অঞ্চদ গরেক শ্রিকাঞ্চলীচরণ দেব প্রাবিত।

মূলা—প্রথম ভাগ ২॥০, বিতার ভাগ ১।০, তৃতীর ভাগ ২।০.
চতুর্য ভাগ ১।০, পরাম ভাগ (নব প্রকাশিত) ১।০। শালিরালনমানের ব্রালনাত পুরুষ কইতে প্রীয়ক বারু রবীন্দ্রনাথ চাকুর, জ্যোতিরিজ্ঞনাণ চাকুর, বিদ্রজ্ঞনাথ চাকুর এবং রাজা রামমোর্ম রার প্রভৃতি মহায়াগণের রাহিত ভাল ভাল মালাহিত্র স্বর্লিশি ইহাতে স্বিধিট করা হইরাছে। এই স্বলিশি-প্রতি ধূল সরণ ও সহল। এবন কি, বাহাদের একটু ভার জান শাছে, তাহারা শিক্ষকের সাহামান্বভার স্বর্লিশি বেণিরাই পানপ্রতি শিক্ষা করিতে পারিবের। স্বর্লিশি-পুরুক-মুদ্রক্র বেরাপ বাহাদাধ্য, সে হিন্নাব শাধারণের স্বিধার জন্য, ইহার মূলাও জগভ করা ইর্যাছে।

কলিকাডা, ৫০ নং মধার চিংপুর রোড়, মাদিরাখাদশাক-পুরকালয়ে প্রাথকা।

A CH	য়াভিরি <u>জ্</u> রনাথ চার	हुत कर्	ক সংস্কৃত নটিকের বল।	कुबाह ।		
व्यक्तिकास-सङ्ख्या सङ्ग	(भारत्यार) पृत्रा	34	মঞ্বীত-চরিত নাইক	à		. >6*
केलब-व्यक्तिक नावेक	5	30+	दशकेश्ररमात आक्रेक	*		सम्
वस्तिमा स्टिक	à	650	≱खाव्दिनिक		-	920
वानशीयावन नाहेक	*	210/-	व्यादव(वहटक्कापुर्व	चें	-	34
मुक्ककर्तिक अप्तिक	à .	28*	বিশ্বনাৰ ভঞ্জিকা	- it		, fr
मुखा-प्राक्त नाष्ट्रक	à ,	310	वसमृत्र वस्तु	*		10
মাণ্ বিভাতিমিত	à ,	6ga	कर्ण्डमक्षत्र ।	4		8+1
विज्ञासनी मार्डक	A	\$ ₇ m	জিন্দাল্য (ধুন্তাশালি	(m) 20		ga.

নতন প্ৰক

ঞীজোতিবিজনাশ ঠাকুর এশীত।

প্রাথম্ব সংগ্রমী (পাছতের, গনাকনীতি, নংলনীতি, ন্যাংগ্যাচনা, জ্যেক চেনা (চিংজ্যে যাল্লা ন্যাখ্যাত) আছাত্ত বিভিন্ন আনকে পূব ; দুলা ১৪০ টাকাং

क्षत्रकरण (ककानी गर्पाठिक्कर सम्प्रमुखाक) · · पुन्न इन्

२ । मोलीव काणी (कोदल-सुकाक) ··· मुना ३०

क्षणिक्रकेष्ठेत्रमञ्ज्ञेष्टमणः --- मृत्यहं हर-

कृतिहान् गीवात गाउँच (वेश्वहाँक क्षेत्रक खक्ष्यांक) कृता ३०

- २०५ मध् कर्पत्रपाणीतः क्रिके हे व्यक्तिमान प्रदर्शणाधारतमा-पृक्षकामस्य जनः ४० मध् वर्गकारणीत् क्रिके मध्यमसम्बद्धाः व्यक्तिमान

গীতলিপ্।

(মৃতন ব্ৰশাসক হৈর ধরলিপিএছ)

3의 영향 [

মূল্য । ১/০ ছব আমা।

es अर अनाव विरुद्धत (क्षेष्ठ्) अधि ब्राक्षभवाकान्त्रकाना व व्यापना ।

জাদি ব্রাক্ষ্ময়ভের বিজেয় পুস্তকের তালিকা।

	B 63 1		मुन्धा र ।
ুন্দুক্ষণা প্ৰথম ও বিভাৱ উত্ত ভাবপাৰ্য্য-		ক্রমসলাত কর্মিশি (প্রাণম ক্রান্ধ)	- 新年
্ৰিছ চ চপুৰ ভ জীকা বেৰ্মাণৰ জ্পাতে	1	রখ্যবহাত পথনিপি (২ছ ডাগ)	214
ও নাবলগা বাহাবা অক্ষরে)	46.	ক্রন্তমকাত অবশিপি (<i>চরস্কার</i>)	21
অংশপদান আপাত সংখ্যাল }		ব্রথ্যকার সর্বাদ (রখ ভাগ)	51#
ু কৈ (ছাল গগৈ)	lya j	এখনদাত বঙ্গলিনি (এম ভাগ)	314
े व्यक्तितालक केपरम्म जानम् ४७	111	वाया वाम्यानन बारवेद मुला अन्ती	191
টা বির্থায় পর	1 1	क्षेत्रप्रभवनम् का	210
লিপনিষ্ঠ একা	1=	मृत्द के भावम	310
্ গ্রহ সংখ্যপ্ত	1-		
े भूगक्ष ५ माध्यमा (दनकाश्य माम्बद्ध)	1+	অবিধিশ এবং বেশিগ্ৰহণীয় শুগ্ৰাম্পৰ স্থান্ত- প্ৰায়েখনত ও সম্ভাৱ	
্ৰাভাগ্য প্ৰথমৰ প্ৰথম ও বিভাগে বাঞ	1+	取得を得る ~	A
্ব্যক্তাল্য প্রাক্ষরণা (আহপেশ্বরে সূতি ৮)	1- 1	भारतस्यो। हेरहास	28-
অভেন্তের ব্যাধানে (ভাক কাগজ e ভাক		Sizerite (1914	R.A.Per
314))	45	Autobiography of	P-71-14
∮া ঐতিভাগেরপার বিধারীকৈ কংপুর (প্রকাঠ সংগ্রাক)	lie i	Manaishi D. N. Tagore	28
→ → (dim)	3/	Ditto Paper Cover	2,00
্র, হাধবোর সভু, বিখাদ, ভরামীওক	'	Theist's Prayer Bosn,	,, 1 ,,
अक्षांत्रमान्त्र तरुद्ध केंग्रान्त । अध्वत्र		Tabiati Movetskildin	9. 9. 19
ESEMBLES.	le/+	Docume of Christian	
े विश्वास दावश्वारकार वा म पा	10	* Resurrection	927
ত ভাগাগ-১	1.	Offering of Samuel Makershi	
্বাছস্থাত কামাণ্ডিছৰ (চেৰনাথয় পাসংহ)	ar B	. Devendetmath Tagore	n 1 m
महा ६ व विविधा	d.	Definee of Bintonioson 1	R.A.A.
প্রবেশ্বে ও ব্রক্তি		and the benieve Summy	27 7 77
- वरवाधरवर्ण	10	Adi B. Sumay as a Churles	27 3 14
strucena	100	A Reply to the Untery	
कृत वर्णी हर-मध्यम् वर्णाञ्चराममञ्	10	What is Brahantses y	27 4 29
े शिमसदार्थ (पर्देशमध्य शास्त्रक प्रवृत्ति		Theisth: Toleration and	
की बन्न हरिक (कालर वर्ष)	* 1	Diffusional Theisia	27 1 22
काश्रद्रक देशि	.≽II+	शासनाताका रक्ष व क्षा (३व छ।॥)	£6
ा का विद्यालय का बहायिक परित्र भूगो-पतारम	31	वाल्यावाशय रेख्य क्ष्मू का (२४ ठाम)	lie-
wie e neuen Gefe	24/0	विष्-वर्तात (क्षाका नक्षेत्रकारी	L.
া ধ্বপ্ৰিকা	4.	क्षाच्या के का	4
ল্ডাম সমায়ের পঞ্চবিংশতি ব্যাসক্ষ		वे (शेष)	200
প্রাফিড ওসাম	70	इंग्ली क	
ब्रामध्यास्य वात्रः त्रवीकः वाद्रतः क्रमः।	4/+	वर्षमा का	erS of
. अक्टमचे ४ म्युर्व (55क्स क्रांत्र सर्वाप्त		হায়ামপির শহর্মণ	[4 P
ं ज्ञान सेचा ।	26/4	ৰৰ্ণ	gje
		শাগুনিকেন্তন	10
রক্ষরতীত ১০৪ জাগ	4/+	मधी ह हिंचिया	-
ব্যাস্থানির ১৯শ কান্স	4/1	्भासिके वास के बाब	1-
		1	



> সম্পাদক জ্রীসভ্যেন্দ্রনাথ ঠাকুর

সহকারী সম্পাধক ঐচিন্তামণি চট্টোপাধ্যার

সম্ভাটির মৃত্যু উপাধ্যক উপাধনা	জিনভোগ্ৰনাথ ঠাকুক	5+6	s with	6.4
जखा, क्लर, मजन	জীমেণতি ছিল্লাপ ক্লাক্তৰ 🗀 🚽	116	444	B2.
বিশ্বপ্ৰেৰ	ইন্ডাৰ্ডাৰ্ড চাট্টাপাক্ষাৰ	11.00	200 .	88
ভোমার পালে	ই.হেম্পতা দেখা	Fag		82
লাৰ্থনা :	শ্রীসংখ্যালকুমারী প্রেট্ট	705	+=+	471
क्य दिन व पृठ्। धकर नक्षित्र विशंत	Significan sections	0 Ly	***	Rle*
কাৰেকটি পুৰাতন কথা	জীবিভিক্ত মহিলে 🗎	1470		627
श्रमा क्या	व्यक्तिसम्बद्धि प्रक्रियाच्याव	164	4.1	and a

কলিকাতা

পাধি-রাখননাক বল্পে

্ৰাণ প্ৰাৰ্থ প্ৰাৰ্থ চক্ৰৰ ভাৱা প্ৰাৰ্থ প্ৰাৰ্থ চক্ৰৰ ভাৱা

যুক্তিত ও প্রকাশিক।

बरनर क्यान क्रिक्ट्र अल्ला

साम २०३५ । समय २०५५ । वर्गनाम् १४ ४३३) ५ प्रामान्, पुरसास १

ভব্ৰেছিলী পতিভাৱ বাহিত্ৰ মূল্য ৬. টাকা অক্ষেক সংখ্যাৰ মূল্য (৮০ ৷ ছাক বাহন ১৮ আনা লাধিপ্রাধানবাকের কর্ব্যাগান্তের নামে প্রাথমিক হবীবে ।

ব্রহ্মসঙ্গীত-স্বলিরপি।

কাৰি প্ৰাথনমাতের অকতৰ গাওক শ্ৰীকালালীচরণ সেন প্রদীত।

মূলা—প্রথম ভাগ ২॥০, বিতীয় ভাগ ১০, তৃতীয় ভাগ ১০, চতুর্থ ভাগ ১০, পর্ষম ভাগ (নব প্রকাশিত) ১০০। আদিবালসমালের বেশনগাত পুত্রক হইতে প্রীবৃক্ত বাহ রবালনাথ গার্ব, জ্যোভিরিজনাথ গার্ব, বিশ্লেজনাথ গার্ব এবং রাজা রামনাংহন রাম প্রকৃতি মহালাগণের রচিত ভাল ভাল সভাতের অরলিশি ইয়াতে সমিবিত করা হইয়াতে। এই অরলিশি-পর্কতি থ্য সরলা ও সহজ। এমন কি, বাহাদের একট পুর জান আছে, ভাষারা শিক্তকের সাহাযা বাজীত অরলিশি দেখিবাই গানগুলি শিক্ত। করিছে পারিবেন য সমলিশি পুত্রক মুদ্রামন শেকপ বাহদাধ্য, সে হিসাবে সাধারণের অবিবার জন্য, ইছার মূল্যও জল্জ করা হইয়াতে।

क्षिकाछा, १४ नः चभाव हिर्जुत (हाड्, कानिखाक्षमगाब-भूखकानस्य थाखनः।

· 100	লোভিনি ক্রাণ	1 219	লুর কর্ত্ত	হ সংখ্যুত নটিকের বহা সুবা	1.19		
অভিকাশ-শক্তম নাইং	क (अकाञ्चाक)	भेजा	31	মহাবীৰ-চৰিত নাটক	9	,	ΝIE
উত্তর-চরিত নাটক	A.		Dir.	र्वणाभर्कण्ड नावक	à		ste/ e
वङ्गावनी मार्केक	面		frj.n	<u>চন্দ্ৰকৌশিক</u>	à	10	ton
লাগাড়ীয়াৰ্থ নাটক	2		314/+	व्यस्ता स्टब्स्स । स्टब्स	화		1 30
বুজক্তিক সাটক	à la		58+	বিশ্বলয়পঞ্জিকা	à		Ин
श्रीपन्याक्त नातेक	a		514	पमस्त्र दिख्य	1		1=
যাগাবকাগিমিন	à	tr.	bye	क्ष्मं दसकतो । -	à	1	111
विकासकारी वाष्ट्रेक	22		lg w	ব্ৰিষ্ণাৰ্শৰ (ন্ৰক্ৰান্তি)	à		3+

নৃতন পুস্তক

জী লোভিরিক্তানাথ ঠাবুর প্রণীক।

প্রাৰ্থ সঞ্জনী। (পাশ্বতৰ, সমাজনীতি, সংৰোগতি, সমধোচনা, লোক চেনা [চিতেৰে বাহা আখ্যাক] অফুকি বিবিধ প্রমত্তে পূর্ব) মুবা চাল টাক। ব

भारतकनत्त्र (जन्मानी नगीतिसम्बद्धान पृथान) --- मृत्या ६०
 भीनीत नानी (जन्मे-पृश्वान) --- मृत्या १०

ত। অলিক্টেউন্সর উপ্দেশ ... মুলা ॥

শ্লিয়াস্পীজার নাটক (ইংরাজি বইতে অথুবাদ) স্লা >

২০১ নং কর্প এরাবাসে ট্রিটা উচ্ছেলসাস চড়োশাধানেও—প্রভাগনামে এবং ২০ নং কর্মজানীন ট্রি বস্তুমন্বিশ্বিটোপ্রতিক প্রতিষ্ঠা।

পীতলিপি।

(মৃতন ব্রশ্নাসকৈ তৈর স্বর্জিপি**এস্ছ**) ১ম খণ্ড।

युता। № ० छ्य भाना

बबनः चनात छिरभूत त्याष्ट्, चानिश्रावसमास-भूककानार्व खालवा ।)

মহাজারতের স্থান লালানে আক্লেভাষান প্রিপরেন্দ্রনাথ চাকুর বি, এ কর্ত্তি স্কলিভ। জরুহৎ অন্টাদশ পদ্ধ মহাভারত পাড়ের উমিধার অবকংশ বা স্থাবিধ। বাঁহাদের নাই, তাঁহারা এই পুত্রকপাটে স্থান মহাভারত পাঠের কল পাইবেন। আধুনিক কৃটি স্কুশারে ইছা আনাক-রূদ্ধ ব্যাভার পাঠোপ্যোগী হুইনাছে। ইহা প্রায় ছয় শত পৃষ্ঠায় সুই বঙ্গে স্বাহ্য হুই ভারে হয় শত পৃষ্ঠায় সুই

কলিকাতা ৫০ না কথাৰ চিৎপুৰ বোড, আদি বাক্সমাতে আলবা ব

সচিত্র সচীক ভগবলগীতা।

প্রিযুক্ত সংক্রান্ত্রনাথ ঠাকুর কর্ম্ব

উপক্ষণিকার গীতাধর্ম আলোচনা। মূল লাজ ও অনুবাদ কাল অক্তর মুক্তিত। উৎকৃষ্ট কাগজ ও কুন্দর ব্যান্য মূল্য ২০ টাকা। আদি আজসমাজে ও এই কুল গুলুকা সংগ্রাপাধানের নিকট প্রাপ্তব্য।

रे दा जोए गर्वितित्वत आश्र-कीवनी

জীযুক্ত সভোক্রনাথ ঠাকুর প্রণীত স্থান্য ২ 110 ভীক্ষা 1

মহবির আক্র জীবনী কেবলমাত্র বসভাষার পাকার আন্তান্য প্রদেশের কোনের উইন পাঠ করিবার বিশেষ অহুবিধা হইও। একাণে সেই অন্তবিধা ব্রকরণার্থে উহার ইংগালী অকুবার প্রকাশিক ইইল। ইহাতে মহবিদেশের বিভিন্ন ব্যবেষ ও ওাঁহার পরিবারবর্গের ক্ষেকজনের আঠার থানি চিত্র সন্ধিবেশিত হুইয়াছে। ইহার ভাষা দ্রল ও প্রাঞ্জল এখং সাধারণের পাঠি।প্রোগী।

প্রাথিকান-৫৫নং অপার চিৎপুর রোড, আমিরাক্রসমাজ।

মহর্ষিদেবের আগ্র-জীবনী

कांशरू वेंशा --- मृतर् २० भारोधा --- -- मृतर् २०

চিত্ররেথা -- নৃতন গল্পের বই।

প্রীত্থীক্রমাথ চাক্র প্রথিত। দূলা ॥• আন্।। প্রথান প্রথান গুক্তকালরে প্রাপ্তবার।

আদি ব্রাহ্মদমাজের বিক্লেয় পুস্তকের তালিকা।

	,	3,	प्रकारी
and the second	मृताः	ব্ৰজ্যকান কথাবালি (প্ৰকা ভাক)	र्का
রাহ্বর্য রথম ও বিভার বঞ্চ ভাবেবা-	i	7	
भश्चित्र (मृथः व हो क्) दश्चमां भक्त च भृदम		প্রধানতাত অমশিশি দের কাপ)	N.
ৰ ভাগোৰ্য ৰাজালা অপৱে)	di-	ভ্ৰন্থনত প্ৰবিশি প্ৰভাৰ	23.1
্রালধর্ণ (জুল ৮ লংগ্রুণ)	D -	ক্ষ্মদ্বীত প্রশিশি (৪ব আব)	216
(काल नेव्या)	lgo"	अभगणा उ चडियोग (वम लाग)	2/4
च्याह्यद्रवेषुक केल्द्रमच असम बक्ष	10	ज्ञादा गामस्थानन आदश्य गमा स्थापनी	Pr.
ঐ বিভাগ পঞ	E=	द्येमदर्गरतम्। क	57
. ইপ্রমিশ রক্ষ	je i	सन्त्राम् भागः	340
্ৰপ্ৰে ডাজধৰ্ম	14	वाश्वत्रं अवर इलेक्स्ट्यंत्र संबद्ध्यं प्राप्तः	
ेशाइ ४ अध्यक्षण (दण्यनागुर्वाणणदण)	la la	গ্রভার ও স্থাতি	**
বাদালা আন্ধর্ম : আধ্য ও সিডীয় ৭৫)	+-	वश्कात्र व	24
্ৰাঞ্চল ব্ৰাহ্মণ (প্ৰাহ্মণ ক্ৰিড)	T+	क (ब ठवर्शन देखांच	R.A.P.
		Substitution at all 1	Backet a
এতিহলের বাগানে (ভাগ করেন 🛊 ভাগ		Autobiography of Manurshi D. N. Tagore	28 ,.
ने। विश्व के	4	Ditto Paper Cover	2,, ,,
ক্রান্ধ্রমার ব্যাধ্যান সম্পূর্ণ (ক্রমান্দ সংখ্যারণ)	19.4	Theist's Prayer Book	22 L 15
📑 🗿 (नीरशा)	24	Tabfast Muwstrhiddin	7, 4 ,,
जारतीय मण, वियोग, घटानीयुर		Doctains of Christian	
उपन्यास्त्र शक्य अन्दर्भ अध्यवकृत		Restricction	n 2 ζ
用北州市 电邻乙醇	tw/=	Offering of Symat Maharski	
कणिमाना आध्यम्(ध्या रक्ष्या	Į#	Devemiernati: Tagore	, 1,,
Malalusi	10	Defence of Brahmorson }	RAA.
উভিপ্ৰিত কাঠাপনিকৰ (চেৰলাগ ং অক্ ৰে)	4.4	and the Brasino Sausay	19 1 × 19
জান্ত হল্পবিশ্বা	J+	Adl. B. Samaj as a Church	n 3 m
প্র্যাক ও বৃঞ্জি '	4/1	A Repsy to the Query	
क्टन्?च्टल्च]+	"What is Brainsoisus ?	
वादमाद्यव	1.	Theise Coloration and	
. क्लास्त्री-नाजन यह छिपाननम्	\$0	Diffusion of Theism	n I m
क्षेत्रवाद्यि त्नावक्षमाच क्षेत्रवाद वर्गावक		ताबनातातन रहत रहत्या (३म हाल्)	1.
बीयमहर्दिक (कार्यक्र वेश्या)	34	লাধনাৰাধণ পত্ন বঞ্জা (২৯ লাগু)	11+
কাপ্তকে বাধা সংগ্রিক্তের আন্নেচ্ডিক পরিঃ পূর্মা-পরাংগ) e	्रिक्राचित दशीलाला संकारतम्बरी	1*
	10		44
Mis a serie Gefe		शामिक देश	3/
থৰ্ম্মণিকা	4-	के (देखि) के के के के	180
ত্রাদ্ধ পদ্ধবিদ্ধানি বহসকো		केलोक वर्षमाना	-15.0
প্রীক্তি বৃদ্ধান্	* /* ***	वास्त्रामा होताम्भित्र भ टक्ष्य	. o/5*
র্লেন্যান রাজ (কথী প্রবৃদ্ধ কর্ম)		वर्ष	je .
ख्यात्रकोड मन्पूर्व (১১१म) काम गराच,	310/4	পুৰ পুৰিনিকেক্ষ্ম	14
ভাল বাধা) (রক্ষরতীক ১০ম ভাগ	9/9	ন্দীত চাম্বক	24
ব্ৰহ্মপুৰ্বিক ১১শ তাস	J4	व्यावामी महरवरीकाला	40
0.44416 55 1.014		1 1144114116	



"अक्ष ता एकतिकास वावीकासन् किवानासीन तेथं वर्तमध्यात्। तर्दर तिन्धं कामनश्या निवं वातवाविक्षयवनेवानेवस्थितीयस् सक्तेव्यापि वार्वतिथम् वर्त्तापयं सक्तीयन सर्ववित्तिवद्भां पूर्ववभतिसन्तितः। वक्तकः तथां दीवामनथा

मण्डोंस क

माप्रतिकरी विशेष प्रभूषापति । तांचिन् गैतिकास प्रियमान्य साम्यक तद्वासम्बीव । "

জীনতো জনাথ ঠাকুর

সহকরৌ সুম্পাদক শ্রিচিন্তান্দি চট্টোপাধারে



নাতা, পুন্দমু, মধান কাহিছিৰ কাহিছেৰ মান কাহিছাৰ মিন্দ্ৰন উপান্ধৰ মানা কথা প্রক্রোতিরিক্রনাথ ঠাকুর শ্রীকাগীবর বেদপ্রেযাপ্রাশ শ্রীক্রেজকুমারী দেবী শ্রীবিভিক্ত মন্ত্রিক, শ্রীপ্রিয়নাথ শারী শ্রীচ্ডামবি চটোপাধারে *** *** *** ***

*** *** *** ***

*** *** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** *** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** **

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

*** ***

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

কলিকাতা

খাদি-এাখ্যসমাল বল্লে

জীরণগোপাল চক্রবর্তী বারা

যুক্তির ও প্রকর্গণত।

ৰ্থনং **অপান** ডিংগুল রোড।

, जाल अन्दर्भ । संबंध अन्दर्भ । क्यूनिक सम्बंध वन्द्रभ । अ आहर्ता, विकिश्न ।

ভরণেরিনী পাত্রিকার বার্থিক মুখ্য 🖎 টাকা। অংজ্যুক সংখ্যার মুখ্য ৮/০। চাক বারণ ১০ নানঃ

শাধিত্রাক্ষণনাম্বের কার্য্যাগ্রেক্স নাবে পাঠাইবেত এইবে ১

ব্রহ্মসঙ্গীত-স্বলিরপি।

জিকাল:লীচরণ দেন প্রণাত।

মলা-প্রথম ভাগ ২॥০, বিভার ভাগ ১০, তৃতীর ভাগ :৷১ চ্টির্য ভাগ ১০০ প্রথম ভাগ (নব প্রকাশিত) ১০০ শাদিরকেন্সালের ভালনকাত প্রস ছটতে জীকে বাৰু রধান্তৰাণ ঠাকুল, কোতিরিজনাণ চাকুর, ভিত্তজ্ঞাৰ সাক্ত এবং বাজা রাস্মোত্ন রাম প্রভৃতি মহালাগণের রচিত ভাল ভাল ললাচেত্র স্বর্জিপি ইলাতে স্মিথিত করা ছইয়াছে। এই স্বর্লিপি পদ্ধতি পুর সর্জ ভ সহ্ছ। এন গাল, গাঁহাটেবর একটু লের জান আছে, উলোল শিক্তকর সাঞ্যা-ক্ষেত্রত প্রালপি কেভিয়াই গাল্ডলি শিক্ষা করিতে পারিকেন। বর্লিপি-পুত্তকা মুদ্রাগম ব্যক্তপ ৰাষ্ট্রপার, লে ফ্রিটের সাধারণের ফ্রিবার জন্য, ইছার ফুলাও ফ্রাক अब्राइनियाहका

কালকাজা, ৫৫ নং খাপার ভিৎপুর ছোড, আনিত্রাক্ষসমাজ-পুক্তকালয়ে প্রাপ্তব্য।

a	য়াভিবি <u>জ</u> নাণ	া চাকু	त कर्ल्ड	ক সংকৃত না টকের বসাত্ ৰ	स		
व्यक्तिकाय-नक्षण भावे र	(वशास्त्रवाते)	मुका	34	মহাবীৰ-চ্ৰিড নাইক	*		1.39+
ই-মর্-চরিত নাট⊅			31+	विवेशसाय मानेक	₩	-	alefe.
বরুষেকী নাটক			lite	इक्टक्रीविक .	*		lg+
যাগতীয়াৰৰ নাইক	*		Sin/+	artaidesakida	à i	4	25
4% किंक नाहरू	æ		28+	বিশ্বশালভঞ্জিকা	₩.		Ŋø.
মূল-হাক্স নাটক	2		210	मनकृत् विक्षश्	àr		Įa.
अ श्वविकाशिषि छ	*		Tea	कर्म् रमक्रतो	a .		11+
विकास संभी वाष्ट्रम	*		lgw	বিষয়গৰিকা (নৰঞ্জাশিক)	à.		91

মৃত্য পুত্তক

জীভেয়ভিঞ্জিলশ্ব ঠাকুর প্রদীত।

क्ष्यक अक्षत्री । (भाक्षक स. मधान सीकि, शांतमीकि, श्यारमाधना, म्याप्य (ध्या (शिरमह शांत न्यानाक) अकृति विविध ध्यासाम भूग) भूगा अर है। वर्ग

>। चात्रकथार्थ (कवानी भन्नाष्ट्रीकश्च खावन नृष्टाक्ष) ---

হ। বাঁলীর রাখী (কাঁবল-বুজার) ক। এপিকটেটয়ের উপলেখ

··· বৃদ্যা g-

इ. क्लिशन् नोकात्र नाप्टेक (देश्याक्ति क्ट्रेटक प्रकृतक) प्रकार २०००

২০০ নং কর্মবালাল ট্রাট। আঞ্জলদান চাট্রপোধ্যাবেছ-পুঞ্চকাল্ডর এবং ২০ নং কর্মবালীল ট্রাট मक् भव (क्राहार देश होते व्यापना ।

গীতলিপ।

(রতন ব্রহ্মসন্ধীতের হর্নিলিটার)

1 64 45

कुर्णा ha/ o स्त्रम क्यां जात

রুলাং ক্ষণার-ভিত্তের রোড্, কানিবার্যান্যান্ত পৃথকারার প্রাঞ্জান।

নহাতারতের সমগ্র ক্ল আলান প্রাক্ষরতীয়ার জীতরেজনাথ ঠাকুর বি, এ কর্তৃত লক্ষণিত। তর্হং অন্টাল্শ পর্যন মহাভারত পঢ়িয়া উঠিবার অবকাশ বা ত্যিধা যাঁহালের নাই, ঠাহার। এই পুস্তকপাঠে সমগ্র মহাভারত পাঠের কল পাইবেন। আধুনিক ক্ষি অকুসারে ইহা আলাল-বৃদ্ধ বনিভার পাঠোপযোগী হট্যাছে। ইহা গ্রায় হয় শত পূঠায়ে ইই অকুসায়ে। মূল্য ২, টাকা। ভাক মাতল সভ্যাঃ

ক্ৰিকান্তা এএলং অপনুধ ভিৰুপুথ ব্যক্তি, আহি প্ৰাথনবাৰে প্ৰায়েখ্য চ

সচিত্র সটীক ভগবদগীতা।

প্রীযুক্ত সভেন্দ্রেনাথ ঠাকুর কর্তৃক পরে অন্তর্গাদিত।

উপক্রমণিকার সীতাবর্দ্ধ আলোচনা। যুল বাল ও অনুধান কাল আলাছে কুটিও। উৎকট কাপত ও প্রকার বাঁগান। সূল্য ২০ টাকা। আদি প্রাহ্মসমাকে ও শ্রীযুক্ত গুরুদান চট্টোপাধারের নিক্ট প্রাপ্তবা।

ইংরাজীতে মহ্যিদেবের আস্ব-জীবনী

প্রীযুক্ত সভ্যেন্দ্রনাথ ঠাকুর প্রণীত স্মুচন্য ২২১০ ভীক্ষা ।

মন্বির আশ্ব জীবনী কেবলমাত্র বলভাষার থাকার আন্যান্য প্রেলেশের লোকের উছা পাঁচ করিবার বিশেষ অক্ষিপ। ছইও। একলে দেই অক্ষিথা দূরকরণার্থে উছার ইংরাক্সা অফ্বাল প্রকাশিত হইল। ইছাতে মছবিদেশের বিভিন্ন বয়পের ও উছার পরিষারবর্গের কর্মেকজনের আঠার থানি চিত্র সন্ধিবেশিত হইলাছে। ইছার ভাষা সমল ও প্রাঞ্জল এবং সাধারণের পাঠিগিত্যালী।

প্রা**তিখান**—৫৫নং **অপার চিং পুর রোড, আদি**রাক্ষ**নাক**।

মহর্ষিদেবের আস্ব-জীবনী

কাপড়ে বাঁধা জাবাধা

- मुक्स २/

চিত্ররেথা--- নৃতন গল্পের বই।

প্রীজনাধ ঠাকুর প্রস্মিত। সুল্যা । ত আনা । প্রধান প্রধান প্রকোলয়ে প্রাপ্তব্য ।

আদি ব্রাহ্মনমাজের বিজেয় পুত্তকর তালিকা।

				14
7		बुष्पा ।		· 新州社 : [1]
	আধাৰ প্ৰথম ক দৈ চাৰ থক চাৰ্থক-		इक्षमणी ह चन्निशितः अवस् डाम ।	400
	স্থিত (মূল ও ট্রাকা কেবনাগ্রহ অক্সরে		ক্ষণদাত পথনিশি ন্য গাখ)	31+
	व अंदर्शकी विकास सम्बद्धी	of a	ব্ৰহ্মসভাত ব্যৱস্থি (১৯তাগ'	alia . ;
		11-	প্রস্থাত স্বর্ধাণ (৪৭ ভাগ)	\$14
	Minari Constitution	face 1	এখনপাত শ্বলিনি (এস ভাগা)	314
	A cent data	99 1	क्षाण: बाध्यस्य आदस्य महाक्ष्मका) et
	আন্তর্গুন্ত উপ্লেশ প্রথম কঞ ক ছিডার কঞ	20	গ্রীয়ন্ত্রপরকর্মী জা	* :
		10 1	电电影和	20/4 0
	কুপনিচন বন্ধ প্রত্য এক্ষেপ্ত	4	मानामक करा (वीकारका नामाना पांड-	
	भ्यति । सम्बन्धिः अन्ति । ज्ञासम्बन्धिः (दशक्तिश्चित्रकाम्बन्धिः)	Įn .	शास्त्रक अन्यक्त	** 3
		1	वश्राकाक्षण	4 3
	হলেলে: ব্ৰহ্মৰ প্ৰথম ক বিভীগ প্ৰ-ট	- 1	आहळनगीय देशांच	to the
	ৰাজ্বিং বেশুস্থলা (ভাৰেপ্ৰায় স্থিত)	7* 1		R.A.P.
	आभवापक बंगवापन (क्षांत्र कांग्रक व प्रात्त		Autobiography of Maharahi D. N. Tagore	\$ 6 .,
U	, निश्ता)	47.1	Datto Paper Cover	2, 1
	' রাজধ্যের বাংশটান সংস্কৃতি (কলাচ নংকরণ)	lige	Thomas Prayer Book	pp L pp (
	🤰 ने (गीमा)	2	Palidet Mawaiilioden	9 4 19
	खां १४० वर्ष, विकास, क्यां से पूर्व	ļ	Destrine of Christian	w.
3	अक्षीक्रमस्थास्य स्थात विश्वत्य स्थानक्ष		Resurrection	m 8 m
	为北海美 语華美丽	tude:	Obering of Spinson Madagashi	
	व्यक्तिशका डाज्यसम्बद्धाः वर्षः वर्षः	1*	Devendernath Tugoge	11 11 11
	Bringsans	11	Defence of Bratamorens	R.A.A.
	্যান্তম্ভিত কংসাপ্ৰিকং (ধেৰবাগত ক্ষত্ৰ)	20.00	and the Braham Suns 1	at Pas
	चारण र वर्रिया।	eE*	Ada B. Sunsy on a Charen	Ser 3 29°
	প্র,ধাক ঐয়ফি	4.0	A Roply to the Query	
	४८नागरम्	-	What is Brabasoina #	22 S 30)
	व्हर्वाद्मव	5+	Thunkic Toleration and	к _i at,
	सन्तर्भा-मध्येत ४० क्रियोचन	}•	Diffusion of Therein	100
	श्री व महार्थि (भटवन्ता मान्य के प्रमृद्ध व न महिन्य		द्रावनात्रक्ष रहण साम् सः (३३ लागः)	1.
j.	ब्रोदमहंत्रिक (काल्टप्र नावा)	\$5.	दालगावास वस्त्र वक्षा (२६ छोप)	100
	ক্রেকে বিসা	28+	क्षिपु-मण्डेद द्वांडे क्षे	
	ত্তবিদেশের আগচরিক পত্তিঃ পূর্যা-প্রাণে	#+ #s/+	नश्र ५४६डी	30 1
	জ্ঞান ও গণ্ডেৰ উল্লিড		ন্ত্ৰাপ্তৰ পৰিয়	18*
	দৰ্শ্বশিক্ষা		d) (4(4L)	la '
	अधि भगरकत नकविरम्धि वदगरतन		े क्लो ं अ	9/3 0
	শ্রীকিড গড়াস্ক	/*		10
	রাহমেটেন বার (রবীর বাকুর ইঞ্)	4.		les S
	अध्यक्षा ६ अल्पूर्व (३५६ल) इत्तर शरा छ,		Hall the same of t	10
	ভাগ বাধা)	2(0)		20
	ব্ৰহ্মগৰীৰ ১০ৰ জন্ম	<i>₩</i>	1111	70
	ব্ৰহণদীৰ >ঃশ হগ	. 4	, जोरोधः पार्ट्यान्याचा	
			1	



सर्वकाचि सर्वेतियम् सर्वाचय'सर्वेतिन् अन्देवविसद्भुवं पूर्वस्यतिस्थिति । एअन्य सर्धा वीपासन्या श्राविकार्वे विकास प्रभाववाँतः। साधित् वीतिकाम विद्यान्यं नावनदः सङ्गः प्रनावनः।"



শ্রীসতোল্রনাথ ঠাকুর

সহকারী সম্পাদক জ্রীচিন্তামনি চট্টোপাধ্যার

क्ष भूजात्र, स्वर्ग		 अस्त्रादिविक्रम
er for a		श्रीवरी समाच श
9 - factorst		আর্থগারন বা
চ্চার কিছম		डीकालीयर त्यम
ংশত কান্ত্ৰী		औरकारणचा तसनी
पुरर्शन् ।		व्याग ्याची
गकारणंत्र स्न	J.	अन्यत्यालक् वाती
সাধ্যর পারী		-11 :4 w K 11

त्व अध्य লভাবাগী**ন** व्यनी বেবী

কলিকাতা

আমি-ব্ৰাক্ষণথাক্ত বত্তে

জীরবংগাপাল চক্রবর্তী যায়ঃ

মুক্তির ও প্রকর্গণত।

ধরনং অপাদ ভিৎপুর হোম চ

मांग २००५ । सम्बद्ध ३०६९ ३ कशियाताच १०२३ । ३ काल, बुस्य स ।

- चरवादिन। भति जात यार्थिक प्**णा ५**, हेरेका লাভ্যক সংখ্যার মূল্য । তাও । **ভাক সাক্ষ**র 🗸 শানা व्यक्तिकार्यकार कवित्रकारका बादम शास्त्रहर व व्हेरर ।

ব্রহ্মসঙ্গীত-স্বলিরপি।

কর্ণন ব্রাধ্যমান্তের মন্ত্রতন গাঁচক শ্রীকাঙ্গালীচরণ সেন প্রণাত ।

মৃলা—প্রথম ভাগ ২।০, দ্বিভায় ভাগ ১।০, তৃতীয় ভাগ ১।০,
চতুর্থ ভাগ ১।০, পাধ্যম ভাগ (নব প্রকাশিত) ১।০। মাদিরালসমান্তের
লক্ষণসাত পুত্রক হইতে প্রীযুক্ত বাব রবাদ্রনাগ ঠাকুর, জ্যোতিরিপ্রনাগ ঠাকুর,
বিজেলনাথ ঠাকুর এবং রাজা রামনোহন রায় প্রভৃতি মহাসাগণের রচিত ভাল ভাল
সঙ্গীতের স্বর্গলিশি ইছাতে সমিবিস্ট করা হইয়াছে। এই স্বর্গলিশি-পদ্ধতি খুব সর্ল ভ সহল। এমন কি, বাঁহাদের একটু স্বর্গ জান আছে, ভাগারা শিক্ষকের শাধান্তা,
বাতাত স্বর্গিশি দেখিয়াই গানগুলি শিক্ষা করিতে পারিবেন। স্বর্লিশি-পুত্রক
মুদ্রাক্তন নেরূপে বা্যসাধ্য, সে হিলাবে সাধারণের স্বিধার জনা, ইহাল স্বাত্ত ওকভ

কলিকাতা, ৫৫ নং লপার চিৎপুর রোড্, আদিব্রাক্ষ্মাক্ষ-পুতকালয়ে প্রাপ্তবা

30 mer	erficiencement from	ra arcki	কু সংস্কৃত নাটকের বলাসুব	TWF E		
্চন্থ অভিকাৰে-প্ৰ্যান নটিক	(बक्रानेदांत) सेंग्रा गान्त्रासद्याना ८ शर्	3/ (N 4.0)	মহাবীংক্রিড শটিক	2		214
উহ্নত-চ্লিড নাটক	a	211	(वर्षेत्रश्रहात नाष्ट्रक	32	4	210/41
গ্রাহেশ্য নটেক	à .	lips.	₽ श रकोशिय	g)		I ĝin
হালভাষাধ্ব নাইক	à .	31075	व्यवस्थान व्यक्षका विकास	- di	4	>5
মুজ্য ক্ষিক নাটক	· ·	251	কিম্বাশ্রভারিকঃ	a		10 to
भूभा-वाक्त मात्रेष	≥ .	31+	भगक्षत्रसम्ब	- ₹	-	34
হণ্যবিকার্থিকিক	a .	lps:	কর্পুরমঞ্জী	à	- 10	Į.e.
বিজ্ঞাল্যা নাটক	2 .	le+	্ঞিবদ্ভিকা (নৰপ্ৰকাশিক)	ù!		Þ

নৃতন পুস্তক

औरकार्णिक्समाच ठाकूत **धनै**छ।

প্রাথক সঞ্জরী ৷ (অংশতের, স্বাভনীতি, ব্যালীতি, স্মানোচনা, লোভ চেনা [জিনার বারা ব্যালাতে] এড়াড় বিবিধ প্রস্তার পূর্ব) প্রা ১৮০ টালাঃ

- >। शाहरूबटर (भवानी ग्वाहेट कह जनन कुलांक) --- पृत्रा १-
- ২) ইলীর মান্ট (জীবস-র্ডাম্চ) --- মুল্যা ।-
- ৩ ৷ এশিকটেটাসত উপরেশ --- সুকা ৪০
- श्वामिक्षात्र श्रीकाक आहेक (देश्याकि इंदेटक क्षम्याव) पुना ५०

১০১ মং কর্মপ্রীস্ বীট। আক্ষণাত চটোপাধ্যানেছ—প্রকাশনে এবং ২০ সং কর্মধানীয় বীটু বস্তুমধানগাইতেরাতে প্রথিক।

গীতলিপি।

(ভূতন ব্ৰহ্মসঙ্গাদের কুর্রলিপিঞ্ছ)

1 6-6 FC

ग्ला।०० एव भाना।

eent অপার বিংশুর রোড্, আবিত্রালয়নজন্মকাব্যক্ত প্রাপ্তরা

মহাতারতে সমগ্র মূল আগবান প্রাক্তনভাগার প্রীপ্তরেন্দ্রনাথ ঠাকুর বি, এ কর্ত্ব লক্ষণিত। সূত্তং অকাদশ পর্বে মহাতারত পড়িয়া উঠিবার অবকাশ বা স্বিধা বাঁহাদের নাই, তাঁহারা এই পুত্তকপাত্রে সমগ্র মহাভারত পাঠের কল পাইবেন। আধুনিক কাভ অসমারে ইয়া আবাল-মূল-বনিতার পাঠোপগোপী হটগাছে। ইয়া প্রায় হয় শত পৃতার দুই প্রে সমার । মূল্য ২১ টাক্য। ভাক মাশুল স্বত্র ।

ৰূপিকাতা ecut অংশর চিৎপুর গোছ, আদি রাজ্যমানে আল্লয়।

সচিত্র সটীক ভগবল্যীতা।

শীৰুক সভোৱালাগ ঠাকুর কর্তৃক পদ্যে অহবাদিত।

উপজনপিকার গীড়াধর্ম আলোচনা। মূল লাল ও অগুবাদ কাল অক্সের যুক্তিছ। উৎকৃষ্ট কাগজ ও হুন্দর বাঁধান। মূল্য ২০ টাকা। আদি আগ্রসমাজে ও জিযুক্ত ওল্লাস চট্টোগাধারের নিক্ট প্রাপ্তব্য।

हेश्ताकोर्ड महर्षिरमस्त्र जान्न-कीत्नी

আযুক্ত সভোক্রনাথ ঠাকুর প্রণীত সুক্রা ২110 ভাকা।

মহিবির আল্প-জীবনী কেবলমানে বর্গভাষার থাকায় অন্যান্য প্রাণেশের গোটেকর উছা পাঠ করিবার বিশেষ অস্থাবিল চইত। একটো গেই অপ্রবিধা দূরকরণার্থে উছার ইংরাজা অকুষাদ প্রকাশিত চইল। ইলাতে মহর্বিদেবের বিভিন্ন বহুসের ও ওালার পরিকারবর্গের কিনেকজনের আঁচার থানি চিত্র স্থিবেশিত চ্ইল্লছে। ইলার ভাষা সরল ও প্রার্থণ এবং সাধারণের পাঠোপ্রধালী।

প্রাপ্তিস্থান-তথনং লপার চিৎপুদ্ধ রোজ, অন্নির্ভাক্তসমাজ।

মহর্ষিদেবের আন্দ-জীবনী

চিত্ররেখা—নূতন গল্পের বই।

শ্রীস্থীজনাথ চাকুর প্রণীত। মূল্য ন শানা। প্রধান প্রকাষ্ণতে আগুৰা।

আদি ব্রাহ্মদ**মাজে**র বিক্রের পুত্তকের তালিকা।

्यात् अस्मायसम्ब	H JHG.	AN TOPAN OILLING	
A. Comment	#45 1		्युका ।
প্রাসদর্শ হার্থ ও বিজীয় গঞ্জ তাব্দর্শ্বন	- 1	ব্ৰহ্মসভাত ব্যৱস্থিতি (প্ৰথম ভাৰ)	2 g e
স্থানিত (মুখ্য ক দীকা দেশকাথ্য অক্সান্ত		এল্পটে ব্যাল্পি (২৪ জান)	219
क अर्थनित वालाका आकर्त्र)	्रा ।	ব্দ্ধসন্থান্ত প্রকিলি (০৭ডাপ)	50.5
े क्षांसम्भ । स्थाप मध्यस्य)	10 %	ন্ত্ৰস্থীত সঞ্চলি (ধর্ম জাগ)	Sile
क (काम निवा)	61	নুজ্নপ্ত শ্বৰ্থানি (বম ছেপ্লে)	DO:
অচেত্রের উপদেশ প্রথম থঞ	10	পুঞ্জ ব্যহ্পোতন হাবের বৃশক্তবেশী	1=
ন্ত্ৰ ভিত্তীয় শণ্ড	10.1	ইচান্তগ্ৰনগাঁডা ৩৭%	2.
gerfage 34	1+	संदर्ध-माना	24/4
প্ত প্রাক্ষরণ	ž.	आशासक अवर द्योक्तवद्यात शहल्लाह शाक-	
अन्त १ अभिनय (दश्यतंत्रक्षण्यक्दर)	10	প্রতিবাদ্র ও স্কলাক	4/4
আদ্ধ্যে প্ৰাৰণৰ ১ অধ্য ও স্থিতীয় প্ৰ ১	1=	भगतावड	24
্ৰাপ্তাৰ: ডাক্ষণ (ভাৰণ্য্য সভিত)	10	ভাৰতব্যীয় ইংবা ল	[4
			R.A.P.
একেবংশৰ ব্যাধানি (ভাগ কাৰ্ড ও কাল		Autobiography of t Manarshi L. N. Tagore J	2 8 1.
वेह्या)	47	Dato Paper Cover	2 ,, ,,
লাক্ষণোর ব্যাব্যান সম্পূর্ব (ক্লপ্ত সংগ্রহণ)	le ⁿ	Theist's Prayer Book	27 17 17
क्षे के (मीमा)	3/	Tubfatl Muwahbiddin	0.4
সংক্ষর সভ, বিশ্বাস, অবানীপুর		Destrine of Christian	., .,,
अक्षांत्रकार्यालस्य जानन् भ्रेणस्य । श्रेष्ठात		Resurrection	927.
一大艺术 成市支持	Tud o	Offering of Sremat Maharshi	., - , -
ক্ষিক্তি প্ৰথম বিষয়েশ্যেক বন্ধ তা	14	Deveaderanth Tagore	11 T 12
्राक्षाक्षीत्रको <u>।</u>	-20	Defence of Brahmousin }	K.A.A,
খাত্ৰভিত কৰ্মীপ্ৰিমৎ (ৰেখনাথ্য অংগ্ৰেছ)	#*	and the Brahtae Samay 🐧	4 A a
को कि कर्य दिक्ष । र	0/=	Adi B. Samaj is a Church	23 A 1
খনলোপ ও মৃক্টি	4/4	A Roply to the Query	
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	y.	*Witat is Brahmojam ?	47. 4. 44.
कार्याः मन	0.4	Theistic Toluration and	
প্রজন্মীন্দর্যার সক্ষণ ক্ষণাপত্ত প্রিম্নার্থনি বেবেক্সন্থ ঠাকুরের ক্ষান্তিক	Ju	Diffusion of Physica	" La
		द्राभरायावन वयस स्कृता (১३ छात्र)	0.4
क्षात्वज्ञातरणः (कारणःकिनीरणः) कारणः नीरणः	210	রাজনারায়ণ বতার বজ্ডা (২র আগ)	19 ×
স্থাবিদেশের সাম্রচারিত পরিং পূর্ব-পরাংগ	in a	্ৰিকু গ্ৰেছিৰ চুক্তৰ প্ৰতি সম্পাদিন ক্ৰী	14
Win o HOUR GRI'S	Jor-	রাখণং গাঁ ড	4.5
बर्टिक् क र	o/a		24
ভাগেলকা ভাগে লমারকত্ব প্রকবিধন্ধতি ধ্বস্থয়েশ	Q	्र देशः) ' केलोशः	18*
96 ms 3913	14	- प्रस्तावा	[†
্নামান্ত কলা	d's	চারামণির অনুগ্রহ	4/20
सक्तमार ज्यारी (३३मम ७१व वर)क,	-	हिंद	14
Section 1	210/4	শৃশ্বিক্তিকভ্ন	lyo ha
্ৰেছ্		গদীত চালুকা	14.
经股份的 中心,在1875年			in to



िक्रक का व्यक्तिमय भागीकामन् विकासकीर्शावर्षं वर्णमकासन् । शर्देशं निर्मः वास्त्रमनः विश्वं कानसहित्यश्वमे**यसँवास्ति।शर्क**

वर्णनावि वर्णनिवन् अनेत्रक वर्णविक् वर्णनिवन् पूर्णनिवन् पूर्णनविक्तिति । वक्षक तर्णे वीपाश्चवा वारतिक्रोतिक्रक प्रवचनवित् । विवाद वीतिक्षक विवकार्य वापनय स्वृत्रवर्णनेव ।

ज्ञान्त्री कि स

গ্রীসভোজনাথ ঠাকুর

নহৰানী সম্পাদক জীচিন্তামণি চট্টোপাধ্যায়

नका, क्षमव, प्रथम , क्षेत्रिक्षक चाएवणा है, । ज्याक्षक शार्चना संभागित संभागित क्षमकान प्राप्त करू

জীল্যোভিবিক্তনাথ টুট্বুব	e min	Try	leg.
किल्पनामण प्राप	444	***	20
कैश्रूपमान स्टोगानाव	projek	100	Dr.B.
क्षेत्रकाषक्यती स्वरी	***	***	We
क्षित्रकृताथ ठक्कवर्ती	140	144	10
ক্রিভিকামনি চটোপাধ্যাব	fre o	174	5++

কলিকাডা

অধি-ভাষ্ণদাল বল্লে

श्रीवनद्वाभाग एक्पर्को छात्रा

ু ধূৰিত ও প্ৰকাশত।

बबना भागात हिरुद्दा त्यांच ।

शास २०३० १ सम्बद्ध २०५१ । स्थापकाच १०२३ । 🕠 कार्तिम, प्रतिस्थान व

श्वारवादिनी भविष्यात गाउँक पूका कर हैकि। बारकाक मध्यात मूका (४०) क्षांक मोद्यम् ४० व्यक्त আশিতাক্ষণাত্ত্তৰ কৰিছিলকৰ নাত্ৰ পাঠাইকে ক্টৰে ১

ব্রহ্মসঙ্গীত-স্বলিরপি

चामि ठांचनशास्त्रत पण्डन गाँवन शिकासमीहतम (मन धारीका

মূল্য প্রথম ভাগ থাও, দ্বিতীয় ভাগ ১০০, তৃতীয় ভাগ ১০০, চতুর্থ ভাগ ১০০, প্রথম ভাগ (ন্য প্রকাশিত) ১০০। আদিরালসমাজের র লালাভ পুত্রক হইতে প্রীকৃত্ত বাবু ধরীপ্রনাথ চাক্র, জ্যোতিরিপ্রনাথ চাক্র, দিজেপ্রনাথ চাক্র একা রালা রালাখালন রাল প্রকৃতি মহাপ্রাগণের রহিত ভাল ভাল লগীতের স্বর্লিশি ইহাতে স্নিবিট করা হইগাছে। এই স্বর্লিশি-প্রতি প্র সর্ল ও সহল। এখন কি, বাহালের একটু প্র জান আছে, ভাহারা শিক্ষকের সাহাল্য ব্যতীত স্বর্লিশি দেখিয়াই আন্তলি শিক্ষা স্থানতে পারিবেন। ব্রুলিশি-পুত্রক মুদ্রাক্রন ব্রুল্গে, নে হিলাবে সাহার্ণের ভ্রিলার জনা, ইহার সুল্যাও সম্প্রক্র হইয়াছে।

কলিকাতা, ৫৫ সং অশার ভিৎপুর রোড, আদিত্রালসমাজ-পুতকালয়ে প্রাপ্তবা।

Enter	ঢ়াভিরিজনাণ ঠার	র কর্তৃ	ৰ সংক্ষত মাটকের বলা	ष्यांग ।		
অভিযান-সকৃত্য নাটক	(समाहदाय) ब्या	3/	মহাবীক-চরিত নাট্র	- i	air .	384
উত্ত-চাহত নাটক	à .	311	(यवेत्रध्यात नाडेक	- in		2 10 2
सङ्गरणी नावेक	à . '	bjy	হত্ত হৈছিল	9	-	\$1 e
মালতীমাধ্য নাটক	à	53e/+	क्षीत्व विकास विकास	9		2 👡
মুদ্ধক টিক নাটক	۵	2111	বিশ্বদালকলিকা	4		37 ==
মুছা-রাক্স নাট্		31=	वनक्षत्रविषय	4		} =
ৰ লেবিকাখিনিক	à .	ter	ভণ্ রগঞ্জী	àt àt		49
विकासार्वणी सांडेक	- A .	Spr	ব্যিক্রশিকা (সম্ভেক্তানি	#) &		4+

মৃত্তন পৃত্তক

बिरक्रोचित्रिसमार्थ शक्त स्रीछ।

থাৰক মঞ্জনী ৷ (আঞ্চত, মমাজনীতি, মাজনীতি, সমাগোচনা, দোল চেনা [চিজেন কারা ব্যাধ্যক্তি] এড়াঙ বিবিধ প্রস্তাহে পূর্ব) মুন্য ১৪০ টাকাঃ

> >। ভারতবংগ (ধরালী প্রটেকের ব্যাপ বৃদ্ধার) --- মূল্য ৪০ ২। ব্যাপীর স্থানী (ভারন-বৃদ্ধার) --- সুলা ৪০

> थ । अभिकृतिहेदनव छेत्रदर्भ ... श्रृशा ॥ ...

জুলিয়াস্ সীকাৰ নাটক (ইংরাজি হইতে অসুবান) সুগ্য >

 জর্মজন্ম সীটা অধিকজন্ম চটোপান্যাবের---প্রকলন্যে এবং ২০ সং কর্মন

१०५ वर कर्नवर्धानीम् श्रीते । व्याक्तमान् कार्वाणास्त्रास्त्रः-भूषामान्यः अवर २० वर कर्नवर्धानीम् होतृ

গীতলিপি।

(নৃতন ব্রদাসকাতের সারলিপিএছ)

১ম, ২ন্ন, তন্ন পণ্ড ৷

প্রতি গভেরস্থা :do চর শানা।

রুম্বর অপার ভিন্তুর রোড্, অপিত্রাস্থানাক প্রাক্তির প্রায়ের।

শহাসারতের স্থান প্র শাধানে প্রাঞ্জনভাষার জীপ্তরেশ্রার ঠাক্ল বি, এ কর্ত্ত্বালিত। প্রত্থ শকালশ পর্বা মহাভারত পভিয়া উঠিবার অবকাশ বা প্রবিধা বাঁহালের নাই, তাঁহার। এই পুত্রপাতে স্থান সভাভারত পাঠের ফল পাইবেন। আধুনিক কাটি শক্ষানের ইহা লাবাল-বৃদ্ধ সমিতার পাঠোপ্যোগা হুহ্যাতে। ইহা প্রায় হয় শত পৃত্যার দুই বঙ্গে স্থায় । মূল্য ২২ টাকা। ভার মাশুল স্বত্র।

क्तिकाठा eeसर अभाव हिश्मूत unte, जानि ताकन्याक आखरा।

সচিত্র সচীক ভগবলগাতা।

শ্রীযুক্ত সভোজনাগ ঠাকুর কর্তৃক সমে অহুয়াছিত।

্ উপক্রমণিকার দীতাবর্গ আলোচনা। মূল লাল ও অনুবাদ কা**ল অকরে ব্রিত।** উৎকুট কাবজ ও প্রস্কুর বাঁবান। মূল্য ২০ টাকা। আৰি ব্রাহ্মসমাজে ও শ্রীযুক্ত গুরুদ্ধান চট্টোপাধ্যাধ্যে নিক্ট প্রাপ্তব্য।

ইংরাজীতে মহযিদেবের আত্ম-জীবনী

ব্রিযুক্ত সভোক্রনাথ ঠাকুর এণীও স্ফুল্যে ২ ১১০ ভাকে। ১

মহবির আজ জীবনী কেবলমাত্র বঙ্গভাষার থাকার অন্যান্য প্রচেশের লোকের উহা পাঠ কহিবার বিশেষ অজ্বিধা হইত। একশে নেই অক্ষিধা দূরকরণার্থে উহার ইংরাজা অনুবাধ প্রকালিত হইল। ইহাতে মহর্ষিলেবের বিভিন্ন ধরনের ও ওাছার পরিবারনগোর ক্যেকজনের আঠার থানি চিত্র সন্ধিবেশিত হইলাছে। ইহার ভাষা সরল ও প্রাক্তন এবং লাকারণের পাঠোপ্রাস্থানী।

প্রাপ্তিস্থান--৫৫নং লপার চিৎপুর রোড, লালিরাক্ষদমার।

মহর্ষিদেবের আন্দ-জীবনী

চিত্ররেখা - , নৃতন গল্পের বই।

প্রিত্ধী স্থানাথ ঠাকুর প্রাণীত। মূল্য ৪০ স্থানা। প্রধান প্রথম গ্রাপায়।

व्यक्ति अधारमधारमञ्जूषिक मुख्यक आनिका।

	- 170 00 1		मंग्रह ।
ेलाकामाँ शक्ता स किसीय करा उत्कर्मण	1	এখনখাড় খননিশি (প্রথম ভাও)	384
ি স্থিত। পুল কাটিক। দেখনগুৱার অঞ্চলে		একশাতি কর্মাণী (সংভাগ)	31+
ভ কারপর্য। বংলাকা ভারতে।	49+	ওখনগাড় কর্মানি (জ্বভাগ)	(0)11
一面1年19年(聖外市 38年2年)	1	অন্তঃক ব্যক্তি (চল ভাব)	- 314
# %etes #81415	Spin	ন্তক্ষকতে স্বৰ্গন্ধি (খন ভাগ)	31+
আল্লেয়ন উপদেশ প্রথম ছঙ	19	ব্যাদ্য সংখ্যোতন বাবেক ক্ষাভারতী	10
ই ডিডাং প্র	Pa.	জিমন্ত্রপরভাইত।	24
- वेश्वान्त्रम अभ	74	स्थार इन्ह्रामा	3-/-
পায়ে সাক্ষাপর্যা	4+	वावायम अवः देवोद्यस्यका भृष्याम् वाक-	
माध्रक अध्यक्षणे (द्वरमाध्रक्षणक्ष्य)	þa.	ব্যক্তির ও সংগ্রে	$q^f =$
বাখাণা ভাষ্ণৰ প্ৰথম ও বিশ্বীয় ৭৫)	24	autoras	31
কালাল নাক্ষমণা (জাধপনা স্থানত)		पर्रहत्वीय वेदशास	14
· ·	1-		R.A.P.
ব্যাহ্যপ্তের স্বাক্ষান (স্কান কংগ্ৰাহ্য জান		Autobiography of	.1 0
3190)	-0,	Maourshi D. N. Tagore	28,
अस्ति।(कर-शांचा)स मणूर्व (सन्दर्भ मरवस्त्र)	Age	Dates Poper Cover	Z jj sp
अं .के (बीक्स)	31	Theat's Prayer Book	75 L A
আংকত সভ, বিশাস, কৰান্যপুত	- (Tubistut Massabhiddia	p. 4 11
Butungere nun bereit a nien		Doctrine of Christian.	
71Mc 4966	topto	Resurrection	N 25 31
কলিকারা প্রাচনবারকর ব্যক্ত	14	Offering of Srimat Muharaki	_
अ रिवर्गाम क	.2.5	Dovembernath Tagore	,, 1 ,,
क्रफ्रांच्य करोगचिकः (द्वानशासम् सम्बद्धः)		Defence of Brahmoians	Ridics,
Markey - g Compon	480	Adi B. Samaj as a Chucob	N * 100
্ৰার,প্রাক্ত দ ছুক্তি	4/4	A Reply to the Query	20 July 20 100
^१ अर न्दश्रामम्	1+	"What is Bushingian	
ARTERIA	T+	Theistic Toluration and	n 4 n
ক্রামা ৬ সংগ্রহ কলাও লামস্থ	1.	Different of The same	. 1 .
विमयः । वं तरस्यक्षमान प्रेष्ट्रदेशक व्यक्तिक		রাগনাঝাদ বছর বঞ্জা (১য় আপ্)	10
भीवनार्वत्रक (काणाक् रोवा)	3	शक्तातावर् रक्षत यक का (के काप)	14
P19E0 0161	28.0	কিন্দাগের শ্রেমন্ত	6-
মহাব্দেরের আছেছিত পরিঃ পূর্ব-পরাংশ	3+	मर्गा क्रम छ हो	
ক্ষান ও মধ্যের উল্লি	Bulle	রামধর্ম সূত্র	2
ধর্মদিক)	of a li	के (बाक)	150
आक्ष भगारकत एकविश्मति वदमदतना		क्षेत्रीया	1 10
শরী(জন্ত পুঞ্জাঞ্জ	/-	भू जाना क	9/3.0
ব্যান্ত্র কাছ : ব্যক্তি যায়ুর কুছে)	4.	शांबाधनिक चरण्यक	
অন্তৰ্গতি সমূৰ (১৯৮৪ এলে প্ৰায়		NATURE OF THE PROPERTY OF THE	Sen.
ज्ञांच रीम्प ;	339/4	শক্তিবিকেন্ডন	- Spb
लक्षमणी ६ २०म अरब	4/4	নদীত চল্লিকা	19
उक्रमणीक २५व श्राप्त	4/0	व्यवगर्ग । नारश्योकाम	1



त्रकः वर प्रकाशिक्षमध् चासीनाथत् विश्वनासीनादिकं सर्वमञ्जन् । तर्दन नित्रः श्रामनभनं विश्वं भारकविश्यवस्थितिवस

वर्षेकाचि मकेलियन् मन्तिवयं वर्षेकिन मन्त्रितिसङ्ग्यं पूर्वकप्रतिसन्तिनः । व्यक्त तस्यै वीपावनया पार्वकार्वशिक्षण ग्रमगार्थन । सर्वित् वीतिकाम विश्वकार्य साध्यक तद्वास्थ्यीत ।"

জিগত্যেন্দ্রনাথ ঠাকুর

সহকারী সম্পাদক <u> এ চিন্তামনি চট্টোপাধ্যার</u>

*,	in the same	(अधिमध्य दारी			
্ঠার করে উত্তর		शिहे जिल्ला (मरी)			244
া চা, জুনার, মঙ্গল		আছেগতি বিজ্ঞনাথ ঠাকুর	141		324
ব্যাস আমশ		আঁচি কামনি। চটেয়পাধ্যাহ	414	***	228
^{दिस्म} ्यान		জ্ঞানতা দেবী	4 5 1	ben	223
থালভাগ		জীবোগের মাধ কাব্যবিলোদ	201	***	224
सागः रूप	v 5	ॐिकामनि हरदेशनोगाम	400	***	223

কলিকা**তা**

শাদি-আগ্রনশাল যন্ত্রে

<u>জীরণবোপাল চক্রবর্তী দারা</u>

যুক্তিত ও প্ৰকাশিত।

ক্ষানং পাশার চিৎপুর লোভ :

nin samp nac same i minumin ents i रत माधिन, श्रास्थात ।

গুলুগোঠনী পঞ্জার বার্বিক পুলা 🔷 টাকা প্রভাগ সংখ্যার মূল্য 📝 । তাক সাধ্যা 🗸 । আরু আদিবাৰণদাৰের কার্যাধ্যকের নাইছ लाकारे व हरेरन।

ব্রহ্মসঙ্গীত-স্বলিরপি।

জ্ঞীক কোলীচরণ সেন প্রণীত।

মূলা প্রথম ভাগ ২৪০, দ্বিতীয় ভাগ ১০০, তৃতীয় ভাগ ১০০, চতুর্থ ভাগ ১।০, প্রথম ভাগ (নব প্রকাশিত) ১।০। শানি রাজসমাজের दक्रमधाङ পুछक इहेटड बिह्क बावू बरोखनान ठीक्व, क्यांटिविसानान ठीक्व, জিতে জনাৰ চাকুর এবং রাজা রামমোহন রায় প্রভৃতি মহাছাগণের রচিত ভাল ভাল भनोट्ड्य चत्रलिभि हेहाट्ड निविष्ठि कता हरेग्राट्ड। अहे खत्रलिभि भक्ति थुव महन ও সহল। এমন কি, বাঁহাদের একটু হুর জান আছে, তাঁহারা শিক্ষকের সাধায়-বাতাত স্বর্লিপি দেখিয়াই গামগুলি শিকা করিতে পারিবেন। স্বর্লিপি-পুস্তক ; মুদ্রাক্ষন ষেরূপ ব্যৱসাধ্য, সে হিসাবে সাধারণের জ্বিধার জন্য, ইহার মূল্যও জ্ল্ড कत्रा इंडेश्रांट्ड ।

কলিকাতা, ৫৫ মং অপার চিংপুর রোড, আদিতাক্ষনগল-পুতকালারে প্রাথবা।

জীজ্যোতিবিজ্ঞনার্থ চাকুর কর্তৃক সংস্কৃত নাটকেয় দলালুবাদ।

व्यक्तिसास-पक्षण नाहे र	(वणाक्षशकः) मृगा	21	সহ্ধীয়-ছবিভ নাটক	4		28+
केंब्रज-हरिक मार्थेक	4 .	310	(प्रविभरहाज नः 🛭 🖚	à		316/55
ब्रुवावणी कांग्रेक	ž ,	hje	इन्द्रकोषिक	4	m	Eq. v
मालक्षेमाग्र नारेक	à <u>.</u>	Sig!+	व्यर शायकरव्याम्य	à		34
मुद्धकिक नाउँक	通 4	>8+	বিশ্ব শাশভাৱিকা	油		10
গুড়া-থাকৰ নাটক	. 5	21+	भगश्य निक्षा	2		14
গ্ৰাণ্ডিক হিছিল	à .	Byte	कर्म् दमक्ष र्	3		
বিজ্ঞবোৰ্কণী নাইক	₹ ,	ège	व्यवस्थिका (मरकाम्समिक)	Ř		

নৃত্তন পুস্তক

জীব্যোতিরিজনার্থ ঠাকুর প্রণীত।

क्षत्रक स्थारी | (बाक्षध्य, नवाकतीलि, बाकनीलि, नवाकालमा, त्याक क्रमा: [जिल्ला वाहा व्याचाका अवाह বিষিধ এবলে পূর্ব) মূলা সাং টাকা।

১) ভারতবংগ (গ্রাসী প্রাট্রের জন্ম মুজান্ত) 👐 সুধা 🕫

হ। অংশীৰ প্ৰাধী (কীম্মনকৃত্বাক)

भूगा हर । स्थापिता है। अशिक्टडेंड्रेंट्रवं डेप्टरंग्

वस्त्रवादणारेग्ड्रतास्य काथवा ।

গীতলিপি।

(সতন ব্রক্ষাসকাতের স্বর্লিপিঞ্ছ)

अब, २व, अब चंड ।

द्यां ज भारतवस्ता । ०/० क्य जाना ।

eade অপার টিংপুর হয়ান্ত, আদিরাসন্মাল-পৃত্তকালয়ে প্রাধ্যনা।

মন্তিরিতের স্থার সূল আগানে প্রাঞ্জনভারার জীতরেজনোর সাক্র বি, জ কর্ত্তক লগ নিত। ত্রহং অভীদশ পর্বা মহাভারত পড়িয়া উঠিবার অবকাশ বা জবিবা বাঁধানের নাই, তাঁহার। এই পৃত্তকপাঠে সমগ্র মহাভারত পাঠের কল পাইলেম। আধ্নিক কঠি অকুমারে ইয়ে কানাল-বৃদ্ধ বনিভার পাঠোপগোগী হ্ইবাছে। ইছা প্রায় ছয় শত পৃষ্ঠার তুই বিধ স্থাতে। মূলা ২, টাকা। তাক মাত্র স্বস্তা।

क्षिकाडा ceat क्षणांड हिल्लूत रतांड, कानि ताक्षणांटक कास्त्रवा र

সচিত্র সচীক ভগবদগীতা।

প্রীযুক্ত সভোক্তনাপ ঠাকুর কঠ্ক পলে অনুবাদিক।

উপদ্রমণিকার গীতাধর্গ আলোচনাঃ মূল লাল ও অমুবাদ কাল অকরে স্ক্রিড। উৎকৃত কাগত ও উপার বাধান। মূলা ২১ টাকা। আদি রাজন্মাকে ও শ্রীযুক্ত ওক্ষান চল্লোপাধারের নিকট প্রাপ্তবা।

ইংরাজীতে মহ্যিদেবের আত্ম-জীবনী

প্রীযুক্ত সভোক্রনাথ সাক্র প্রণীত স্মূল্য ২ যাও ভীক্ষা য

মধ্যির আছি জীবনী কেবলমাত্র বজন্তাবার থাকার অন্যান্য প্রদেশের লোকের উহা
পাঠ কৃরিবার বিশেষ অল্বির। হউত। একংশ সেই অলুবিধা দূরকরণার্থ উহার উংগালা
অনুবাদ প্রকাশিত হইল। ইহুতে সহ্বিদেশের বিভিন্ন বহুনের ও ওঁছোর প্রিবারবর্গের
ক্ষেকজনের অঠিার গানি চিত্র স্বিবেশিত হুইয়াছে। ইহার ভাবা সরল ও প্রাঞ্জন এবং
সাধারণের পাঠে। প্রোগী।

প্রাপ্তিস্থান—৫৫নং ঋণার চিৎপুর রোড, ভালিক্রাক্ষসমাজ।

মহর্ষিদেবের আখ-জীবনী

কাপড়ে বাঁবা আবাঁবা

धुना २

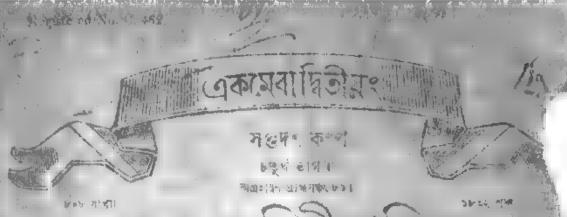
-1 28=

চিত্ররেখা—নৃতন গল্পের বই।

জীত্ৰী জনাৰ ঠাকুর প্ৰণীত । মূল্য ৪০ খানা। প্ৰধান প্ৰধান প্ৰকালহে প্ৰাপ্তৰা।

জাদি ব্রাহ্মনমাজের বিক্রেয় পুত্রকের তালিকা।

4		2.	
	9 MT 1		4411
য়। ভিত্তক্ষণ প্ৰশম ও বিশীক কৰা ভাবত্ৰী-		প্রথমকার প্রবিশি / প্রথম ভাগ 🕽 👚	TOTAL .
क्षिणे इन्हें। मूल के देशिका (बन्नाइश्वर अकटा		এদ সাও ধর্নিটা (সা ক্রাস)	214
36		ব্রজন্ম, ও প্রবর্গিপি , হর্ম লগে।	28.5
कु लहरूलका वाजातः कव्यक्ति।	- 10	জ্জ্পরী ৪ অর্বেশি (৪৭ ছার ৮	>14
क्र (अ. श्राम्किके क्रू कुल्ल अरक इन)	[F to	রক্ষ্যক্ষ্য প্রতিক্ষিত্র আন্ধার 🕽	314
ত গ্ৰহ্মানী	No.	ব্যক্ত হাম্যমালন বাবের সঙ্গীকাব্দী	. 14.5
काइस्तान है परमण समय यक	- 1	च्चै मङ्गणनाम (स)	: 34
हे विशेष्ट्रमक	10	মধ্বর মাজা	5.50
ু উপলিখন ব্য	7= 1	कार्यानात अन्य द्वीक्नाटवीय एकार्यात प्रकेत-	
ি শুজু ৰাজধৰ্ম .	6.3	一切(後年) 第二列列(第	mpd ps
ि अनुष्ठ - त्रामभूषे (दारसमः वृद्धं चन्नदर)	[0]	R516183	31
্রালাসং শক্তর প্রথম ও বিভাগ কর)	70	कादकवरीय देश्याम	14
, दाकाका सरकात्र । जावस्था गरेक हैं।	3-		k.A.P.
	,	Autolinography of journal by D. N. Tagore	23.
्रिशक्तरात्र आयोग (जान जानव e कान	- (Ditto Paper Cover	1 / 1
_{lin} - व्हाप्त)	8,	Thust's Prayer Book	# 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11
্লাজগুলের নগ্ৰহান সংপূর্ণ (পুলক সংখ্যাণ্)	ija ,	Publican Marcabbi Idra	37 6 4
क के (बंधा)	34	Detrine of Caristian	10 T M.
লাভ খেব সভ, বিশাস, ভলানীপুৰ	- 1	Reanrection	
প্রাক্ত বিষয়ে প্রকাশ । বিষয়ের ক্রানার্থ বিশ্ববাহ্যালয়ের প্রকাশ বিষয়ের বিষয়ের		Offering of Seemat Moharsha	89 S Tal
61	14	Imvenderman Tago.	7
भरतान धार्यस्य	14	Defence of Benjamoins 1	K.A.A.
িল্লিখাড়া একেন্মান্দের বজা জা	126	and the Benions Sama	9 4 1
্ৰিছে প্ৰশোধন কৰিছে কৰি	74.5	A b E Samai as a Church	pt 3 ht
	Je	A heply to the Query	
্জাহ শ্বেষিভা} লর্জাক ৪ সু লি	6/ 2	With the Britainetalis ?	11 4 12
	1+	Theistic Teleration and Diffusion of Theism	" " " "
ा ६८०१ण्टल्य ६४८ण्डल्य	lie.	श्रीकश्राहरूप संदेश संभी छ। (> अ छ। अ	7
स्थान्यायम् । स्थान्यायम्	24	बाक्सावायन रक्षत्र रक्ष्यु वर्ग (२३ छात्र)	
श्चिमार्था (भारतकान अक्राप्त एक्कि		हिन्दु-धर्यात्र द्वाप्तिकाः	No. 1813
क्षेत्रकारक (सम्बद्ध वाचा)	18	नशी उरक्षी	SHEET NO.
কাগতে কাৰ্য	2010	। अध्यक्ष केला । जन्मकार	W 197 .
গ্ৰহাজিককের আন্তর্চ তিও পরিঃ পুর্ক্তক্ষাংগ	9.0		3.1
BIL 8 4644 GE	Bar's	में (नीमा) डेल्मीमा	304
		क्षणाना (क्षणाना	1.
<u>१ण वक्।</u>	#*	श्चाराणिक भटवस्य	9/22
ব্ৰেদ্ধ মন্ত্ৰের প্ৰবংশতি বংগদেশ		श्रीवायम व्यवस्	14
প্রাচিত্ত গুড়ান্ড	1.	न्। न[बन्दिक्षक	- 1q6 - 1 -
লাগ্যালয়ন লাব । এবীক্র বাব্র জড় ই		সঞ্চাত চল্লিক।	. 10
রল∧লীত শশ্ব (২১লশ ভাগে প্রাউ,	>W-	to the	10
्राज रोग्धः } १९व्यमध्ये ७ ३-व स्टोक	470.0		N-
প্রথমন্ত্র ১১৩ জ্যু	W.	A 36	No.
344414 12.2 ALL		11.00	4,



তভাবোধিনীপ্রতিক

िषेक्ष या यंकमिश्वस्य व्यक्तिप्रात्मम् विकाराधीत्रा इद्यं सर्वमक्तातः । सर्वेत विका वातसानम् विके वातकाविक प्रवस्तिकारिकार

क्षांकार्यः वाक्षांकाम् स्त्रीत्राचा अभिवित ए केळ्लिलकपूर्व वृत्ते स्परिताकातः । वय वः वृत्ते व्यवस्त्रकारः

স্বাধানক নীয়িকৰ সমস্থানতি - সাজানু দীনিকৰা চিত্ৰকাৰ্য চল্পান সভুসাকৰীৰ হ'

मुक्ता हिन्द

শ্ৰিদ্ৰোল্নাথ সাকুর

राइकादी भण्यामक

জীতিস্তামনি তত্ত্তাপাধারে

গীতার কর উত্তর
সাতা, ভালর, বছল
ভাল্লা আমার্যাতন পাধ
সকলোগিতা ও প্রকাশিতা
বাম্

22日24日(4日(22日 CA)		
शिक्षेत्रिया द्ववी		
জ্ঞীকোতিরিপুনাধ নিকৃত্ব		
ই ডিজুপান ক ছাব		
हें।कश्रवास्थ सुर्व		
জীগড়োকৰ কথা মেনী		
किंहिकामधि हर्देशभाषात		

কলিকাড়া

পাৰি-প্ৰাঞ্চনমাত বল্লে

<u> এবণগোপাল চক্রবর্তী বার।</u>

মুক্তিত ও প্রকাশিক।

কৰেং অপায় ভিৎপুৰ গোড়া।

जाक २०२०) - संबंध २०६९ । - कमिन का च-६०२२ १ - २ अध्यक्षत्रम्, नक्षणक्रिका ।

ভৰবোৰিনী শনিভাৰ বাৰ্ষিক স্থা 👟 টাখ। আন্তোক সংবাহৰ স্থা ৮/০। ভাক মাঙল ৮/০ খানা পাদিডাপন্যক্ষর কার্যাগাক্ষের বাবে পার্রাইডে হইবে।

ব্রহ্মসঞ্চীত-শ্বলিরপি।

আনি রাজস্মানের সমূহর পারত জ্রাক।সালীচরণ সেন প্রাণীত !

মূলা প্রাম ভাগ হাত, বিভাব ভাগ হাত, তৃতীয় ভাগ হাত,
ভিগা হাত, প্রম ভাগ (নব প্রকাশিত) হাত। আদিরাসাসমালের
সাম পুর্ব ভ্রাভ জী। জুলার ব্যাদ্রাণ চাকুর, জ্যোতিবিজ্ঞান চাকুর,
ক্রমান চাকুর এবং রাজা রাম্নোহন রাম প্রভঙ্গি মহাপ্রপাল রামিত ভাল ভাল
শিকের অর্লিশি ইহাতে সমিবিউ কলা কইবাতে। এই স্বলিশি প্রকৃতি পূর্ব সর্লা
সহর। এন। কি. বাহুল্পের একট্ ভর জান আছে, কার্রে) শিক্ষতের স্বলামান
বাভাক স্বলিশি সেবিমান বান্তান্তি শিক্ষা করিতে পার্তিন। স্বর্লিশি-প্রভজ্
মূলাকন ক্রেশ বান্তান্ত্র, শে হিন্তের স্বান্ত্রের স্বিধার জন্য, ইহার মূল্য ও স্বন্ত্রের ভ্রাহের।

কলিকাতা, ০০ নং লপার চিৎপুর রোছ, আদিতাক্ষণাত-পুত্কালরে প্রতিভাগ

জীংজন ভিত্তিন্দ্ৰমাণ ঠাকুর কর্ম্ক সংস্কৃত নাটকের ব্যাস্থান।

			, ?			
- व्यक्तिकास-अक्तुम्भग अङ्गाप	(समाञ्च दाम	10F (34	प्रकृतिक-ठिक्छ नार्धक	ď	51*
डेम्बन-5विक नाविक	a		35+	त्ववेद्यस्थात्र अर्थेण	9	21 m/ m
হয়াবেলী নাটক	à.		- in o	seculty*	3	Eq.4
कालाईआध्य महिल	4		Sle ^f	で聞き マド母系の曲 有申申	ů,	7
海峡中部市 不持年	5		280	रिकन्त्रमक्षिका	4	Ji o
李潔仁明]學可 中(學學	à		51+	क <i>न्यव</i> विश्वयः	4	1=
স্থাবি কালিমেন	à		l ₁₉	কপুনিমঞ্জনী	äř	81
क्षाम्बद्धान् वीती संग्रेज	à		l _T +	ক্রিয়গণিকা (সকলকাশিস্থ)	à	- 11

মৃতন পুশুক

জীলোভিরিজনার ঠাকুর প্রায়ত।

প্রবন্ধ মন্তর্মী ৷ (আক্তর, সমাধনীতি, ধাননীতি, বনালোচনা, পোল চেনা [চিয়ের বারা ব্যাধ্যাক্ষ] করুতি বিধিধ এবারে পূর্ব) মুলা চানা ৷

१ १९१२ छात्रत्य (क्रमान्य) गर्दश्राम् क्रमान्य छात्र तुमान्य ।

२१ की मोज हागी। को वस-बुशाया) - सम् वृत्रा १

क किस्पर्कित्वव किलाम्ब
 क मृत्याः

রঃ কুলিয়াধ নীকার নাটক (ইংরংজি চইতে অক্লার) সুলা ১১

১০% সং কর্মপ্রকালাল ইউ। শ্রীক্ষাক্ষাল চংগ্রাণাখ্য হ্রাংশ-শুস্তকংলয়ে এবং ২০ সং কর্মপ্রস্থালি ক্রীট্র ক্ষান্তব্যক্ষাহয়েয়াতে মাঝানা চ

গীতলিপি।

(বৃত্তন প্রসাদকারের করেলিপি এছ)

३स, २स, ७६ ४७ ।

व्यक्ति भट छ व मृश्यु । 🗸 । एवं माना ।

এবনং ঋপার চিবপুর রোড্, জানিরাক্ষণাক-পুঞ্জনাবরে প্রাপ্তর।

নহ ভারতের সমগ্র যুগ শাধানে প্রাঞ্জনভাষার জীবেরেন্দ্রনাণ ঠাকুর বি, এ কর্জ্ন শৃষ্কবিত। তার্থং মন্তাদল প্রমুম্বভারত পড়িরা উটিয়ার অবকাশ বা হাবিষা বীধানের নাই, উলোলা এই পুন্তবপাঠে সমগ্র মহাভারত পাঠের কল পাইবেন। আয়ুনিক ক্রিটিয়ার ইছা আরাল-র্দ্ধ বনিভার পাঠেপেনোগী হইয়াছে। ইছা আর ছয় শত পৃষ্ঠার মুই খতে সমান্ত । মূলা ২, উপ্রাঃ ভাকে মান্তল বড়না।

ক্লিকাড়া ব্যাস্থ অগার চিত্রার ব্যাড়, আদি প্রাথ্যসময়ের প্রাপ্তরা চ

সচিত্র সঁচীক ভগবলগাতা।

জীযুক সংভালনাথ চাকুর কর্তৃ

উপদ্যাণিকায় গীতাধর্ম আলোচনা। দুল লাল ও অধ্বাদ কাল অপনে মুক্তিত। উৎকট কাগত ও প্রদান বীধান। মূল্য ২০ টাকা। আদি রাজসমালে ও জীয়ক গুলুদাস চটোপাধায়ের নিকট প্রাপ্তমা।

ইংরাজীতে মহযিদেবের আত্ম-জীবনী

জীয়ুক্ত সজোন্দ্রনাথ ঠাকুর প্রণীত স্ফুল্ন্য ২ ১১০ ভীক্ষা ১

ষ্ট্রির লাল জীবনী কেবল্যার বপ্রধার থাকার অন্যান্য প্রদেশের লোকের উচ্চ পাঠ কারবার বিশেষ অন্তরিষা হইত। একবে সেই অন্তবিধা দুর্করণার্থে উচ্চর ইংরাজা অনুশাদ প্রকাশিত ক্ইল। ইছাতে স্থিতিবের বিভিন্ন বহুদের ও উংহার পরিবারব্যার ক্ষেক্তনের আঠার থানি চিত্র স্মিরেশিত ক্ইলাছে। ইছার ভাষা স্থল ও প্রাঞ্জণ এবং সাধারণের পাঠোপ্রোলী।

প্রাণ্ডিম্বান—৫৫নং মুপার চিম্পুর রোড, মামিরাক্সমান ।

মহর্ষিদেবের আগ-জীবনী

কাপড়ে বাঁণা আবাঁণা

मृता २/

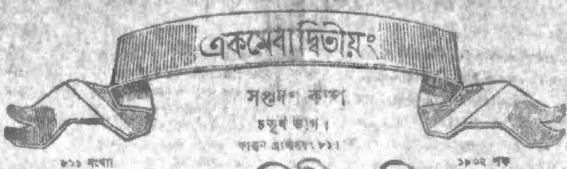
চিত্ররেথা--নৃত্ন গল্পের বই :

শ্রীজনাথ চাকুর প্রণীত। গুল্য ॥ শানা। প্রধান প্রধান পুরুষালয়ে প্রাপ্তশ্য।

আদি এ শাদ্দাকের বিক্রের পুত্তকের এলিকা।

		हमा । }		भूगा ।
	লাখনত প্ৰথম ও বিজীয় খন্ত ভাবপৰ্যা-		ব্রথমকাড পর্যক্ষি (রোগম ব্রাপ)	314
	দ্ৰান্ত (মন ও উকা বেশনাপৰ অভৱে		রাজালাত সভাগিশি (৪ছ ছাম্)	31+
			হন্দসঙ্গার ব্রলিপি (এইভাসা	211
	म छोरभवी भागामा सक्रत्	100	অন্দ্ৰপাঠ অনুদিশি (এই তাপি)	51+
	নাৎপা : অণ্ড সংগ্রহ }	11	মঞ্চলতে প্রকিশি (এম ভাগে)	284
	কে ভাল ব্যাল	19pm	श्राम् राभ महन्त्र सहस्त्र भण्डे कर्तन्त्री	16
	काहार्ताव जिल्लान अध्य वस्त	1 - 1	<u>दिश्रक्षणवन्त्रीक्षाः</u>	27
	ुंबे विद्यापाल	p=	संबद्ध भारती	240
	्रेशितश् _{रिक}	11	मध्य) वर्षः स्था (यो प्रयस्तिकः श्वान्तिः वर्षाः अ-	
5	भारत शासकार्यः । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	1 = {	গতিয়াত ও স্থাকি	4/1
	रु इ अधिकार (राजनांश्व मान्यः)	3=	मर्गेरावर	3/
	शक्ताना आफान्द - साथम अधिकात वात है	1=	काश्रक्षीत देश्याम	[4
	बामाना अध्यक्ष (फोरमधे व्यक्ति)	la l		R.A.P.
	ত্রাক্ষাপ্রকাশ (কাল কাগক ও ভাই	1	Autobiography of Manarishi D. N. Tagore	28,,
			Ditto Paper Coves	
	190)	4	Theist . Pinyer Book	A
	कांचनत्त्र व नहावाहतः संग्यूनं (छ म ७ ग : ४३०)	light	Tubferni Manashidia	20 1 20
	के (बंधा)	2	Diescine of Chostian	20 2 22
	প্রকাশয়র কর, বিখাস, ক্যানাপুর	,	Resurrention	
	Salarifece sies techen a masa		Offering of Strangs Maleurahi	. 4 S W
	मध्यक विषय	14/+	Devenderanth Tagore	1
	ठिविकाका जाकमधार प्रकृतिक का	10	Descript of Braingoing	R.A.A.
	3/N[7[84]	0.	and the Beabino Sams;	25 4 1
	शंकर्राहर भरतेश्राधिकः (दण्यमात्रक भक्रत)	4.5	Adi B. Samaj as a Chusen	22 3 25
	স্থাত এপ্তবিদ্যা	af a	A Reply to the Qhary	
	भक्त सामा के अभि	47.4	"Wind so Bright and a p	JF 19 JW
	क्टमाभरतम	132	Thustic Teleration and Diffusion of Thursin	10 pt 10
	ग'रम'स्त्रभ	1-	व्हेंबनासास प्यापक प्राचित्र काला	14
	ভগৰটাত অংশক স্পাত্ৰাক্ষ্	pa.	वाणनावातन रक्षत कथ्युक्त (स्व छात्र)	
	BASCA OCCUSED A TO THE WINE		हिन्दु-वर्ट्यक्ट दलक्षका	in its
	बीतव्यविष्य (क्षाणस्थ वीर्थाः)	1	मको स्वाही	
	1998 P 420	38+	जानकाड मेखा	- 41
	भर्मस्थारभञ्ज चा वर्डाक्षक गाँवत भूकं-नंबर ण	lin .	₹ (40L)	3/
	men a newer Buffe	34/4	केलोभा संस्था	180
	4-16 (40)-1015	40	भूगोगान्त	6/3 -
	আজি নমার্ক্তম পঞ্জবিংক্তি ব্যস্ত্রা		रावास्थित पटक्क	
	শহীকিত পুঞান্ত	1.	45	Ew.
	प्रशासन्त अति । युक्तिक संख्या कृषा)		শক্তিনিংকস্তব	liqui Las
	अक्रमणेड र वर्ष (३३क्स अस्य भगास,		স্থাতি চক্তিকা	ja a
	अस्य दीया)	230/+	अस्तिको क संदर्भीत्रामा	-
	লালাপী চাহত হাল (*	0/0	इतियोगा	200
	अवनिष्ठ ३३म अस्य	d/a	ভাষ্মপূর্ণার বিশ্ববিদ্ধ	ine.
				-

Registered No. C. 460,



१८७७ मध्या

क्षक वा स्वाधिद्रतम् बादीकानम् किञ्चनासीक'मूद्रं सर्वभवातम् । स्वीतं निर्दा प्रावकानकं विश्वं वृत्तमाहिरम्बदेनस्वर्धनस्विधीरूक सभेगापि सर्वतिश्वन् वार्वत्याच तर्कतित् सर्वतित्व स्वांतित्वहान् पूर्णत्वतिस्विति । वस्त्रव संबर्धे वीवन्तिमान मार्थियामेशिकाच मुक्तापाधि । अधिम् श्रीतिकात विश्वसार्य सामान सम्बागमनेव ।"

শ্রীসভ্যেন্দ্রনাথ ঠাকুর

সহকারী সম্পাদক **এচিন্তাম**নি চট্টোপাধ্যার

भाविक्तिकरूट विभ्न तार्दनिक स्टेश्व कृतिम शर्विक श्राब-मानव मामा ङ्या



কলিকাড়া

णानि-जाभागाम यस

শীৰণবোপাল চক্ৰদৰ্ভা হাতা

মুখিত ও প্রকাশিত।

THE PART CHE !

the rest to the state of the state of seek that the state of

ছত্তাবাৰিলী পত্তিভাৱ বাৰ্তিক মুণ্য 🔨 টাকা আত্তের ক ন্ধ্রের মূল্য । ৮ । ভাক স্বাধ্বন ৶ আনং

चानिशाचनबाटबन कार्राधाटकन बाल मांबारेटक हरेरव ।

ি নিছাভারতের সমগ্র মূল ভাগানে প্রাঞ্চলভাষায় প্রীক্তরেজনীপ ঠাকুর বি, এ কর্ত্ত নিছালিত। জনুধুং অক্টাদশ পর্যন মহাভারত পড়িয়া উঠিবার শবকাশ বা জবিধা বীহাদের নাই, ভাগারী এই পুস্তক্ষপাঠে সমগ্র মহাভারত পাঠের ফল পাইছেন। ভাগুনিক ক্রতি শক্ষাতে ইহা শাবাল-বৃদ্ধ-বনিভার পাঠোপবোরী হইয়াছে। ইহা প্রায় ছব শহ প্রতার হুই শতে নগান্ত। মূল্য ২, টাফা। ভাক মাশুল কতন্তা।

क्लिकाका दरमर क्लान हिस्त्र त्याक, कानि खाकमगरन कांसना ।

সচিত্র সটীক ভগবদগীতা।

প্রিষ্ণ সভ্যেক্তর কর্তৃত্ব কর্তৃত্ব পরের অপ্রাদিত।

উপজ্ঞানিকায় গীতাধর্ণ আলোচন। মূল লাল ও অসুবাদ কাল সকরে মৃদ্রিত। উৎক্র কাগজ ও প্রস্তুর বাঁধান। মূল্য ২০ টাকা। আদি প্রাক্ষামাকে ও প্রায়ক্ত ওরুদাস চট্টোপাধায়ের নিকট প্রাপ্তব্য।

ইংরাজীতে মহষিদেবের আত্ম-জীবনী

শ্রীযুক্ত সভোন্দ্রনাথ ঠাকুর প্রণীত স্থান্দ্র ২ য়ত ভাব্দা ।

ষ্থ্যির আল্প-জীবনী কেবলমাত্র বঙ্ভাষায় থাকায় অন্যান্য প্রদেশের শোকের উহা
পাঠ করিবার বিশেষ অভ্বিধা হইত। একংশ দেই অভ্বিধা দূরকরণার্থে উহার ইংরাজা
অন্যাদ প্রকাশিত হইল। ইহাতে মন্বর্ধিধেবের বিভিন্ন বহদের ও তাঁহার পরিবারবর্ণের
ক্ষেকজনের আঠার থানি চিত্র সনিবেশিত হইয়াছে। ইহার ভাষা দরল ও প্রাঞ্জন এবং
দাধারণের পাঠোপ্যোগী।

প্রাপ্তিস্থান-এ৫নং অপার চিৎপুর রোড, আদিত্রাজাসমাল।

মহর্ষিদেবের আখ-জীবনী

চিত্ররেখা--- নৃতন গল্পের বই।

জী স্বীজনাৰ ঠাকুর প্ৰণীত। স্লা ॥ আনা। প্ৰধান প্ৰধান প্ৰকাশরে প্ৰাথিষ্য।

ব্রহ্মসঙ্গীত-স্বলিরপি।

আদি রাদ্যনালের অভতর গারক প্রকাশালীচরণ সেন প্রণীত।

মূলা প্রথম ভাগ ২॥০, বিতীয় ভাগ ১।০, তৃতীয় ভাগ ১।০, চতুর্থ ভাগ ১।০, প্রথম ভাগ (নব প্রকাশিত) ১।০। শালিবালান্যালের ব্রহ্মনার গ্রহ ইতে ত্রিক বার রবীজনার গ্রহর, জ্যোতিরিজ্রনার গ্রহর, বিষ্ণেরনার গ্রহর এবং রাজা রামধােহন রার প্রভৃতি মহাদ্যাগণের রচিত ভাল থাল সলীতের অরলিশি ইহাতে সনিবিউ করা হইগাছে। এই স্বরলিশি-পদ্ধতি ধ্র সরল ও সহজ। এসন কি, বাঁহালের একট হার আন আছে, ওাঁহারা শিক্ষকের সাহায্যালাতীত অরলিশি দেখিরাই গানগুলি শিক্ষা করিতে পারিবেন। স্বরলিশি-প্রক ম্লোকন শেরপ ব্যর্গাধ্য, দে হিগাবে সাধারণের স্বিধার জন্য, ইহার মূল্যও হালভ করা হইয়াছে।

কলিকাতা, ৫৫ নং মপার চিৎপুর রোড, আদিত্রাক্ষসমাজ-পুরুকালয়ে প্রাপ্তব্য।

গীতলিপি।

(মৃত্য ব্রহাসকাতের হুর জিপিএছ)
১ম, ২র, ৩য়, ৪র্থ খণ্ড।
এতি খণ্ডেরমূল্য । ১০ ছয় খানা।
১৯মং মগার চিংগুর মেড, খানিবামন্বাদ-প্রকালরে প্রাথব্য।

আদি ব্ৰাশ্বদমাজের বিক্রেয় পুত্তকের তালিকা ।

	भूगा ।		मृग्ति ।
লাভ্যুত্ৰ প্ৰথম ও বিশ্বীৰ বস্তু ভাৰণাৰী-		রখনপাঁড বহণিপি / বানৰ কাই.)	H-
महिल (बुन क हैं। का दनववानत चन्दर		ত্ৰদানত অৱশিধি (ধ্যু জ্বান)	314
क जारनदेश वाशाना अक्टब)	-01-	র্থনপাত বর্গাশি (শ্রুরাস)	3[5
बाजभ्य (क्षत्र भाषाम)	BENEFI	ত্ৰপূৰ্ণত স্বাণিপি (ধৰ্ম ভাগ)	210
METERS OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF	- 1	নাৰ্যলাত বঙলিবি (০ন জান)	214
(काश दीवा)	394	त्राका बामदभारत बादबब मना कावली	14
লাড়াৰ্লেক উপৱেশ কাৰ্য গ্ৰ	ĝs.	শ্রীমন্ত্রপঞ্চলীকা	- 1
वे विवाद पंक	Alle s	নংবন্ধ-মাশ্যা	34
ষ্টপদিখন বস্তু	1.	শাহ্যবৰ্গ এবং বৌশ্ববৰ্গের প্ৰক্ৰাপ্ত আছিল। প্ৰাভিয়াত আ প্ৰশাস্ত	4.23
শন্তে ত্রাধ্বপ্র	10	মধ্যিকার	780
मध्ये ६ डाक्यचे (दण्यमानवाकादम)		जारक्रमीय देशाय	N.
रामाना सम्बन्ध (कान्य क विकीय वक)	- P		
ধ্যাল্য রাম্ধর্ম (ভাব্দর্মা নহিক)	. 10	. 一	R.A.P
बाध्यत्वंत आधान (कान मात्रम क भाग		Autobiography of	Sec.
वीशा)	8	Manarshi D. N. Tagore Ditto Paper Cover	28
तक्षराचंत्र वर्शवंत्रामः अर्चनं (श्रमक शरकतन)	Sys	Theist's Prayer Book	2 10-14
A STATE OF THE STA		Dectrine of Christian	11 II 11
के के (जीवा)	3/	Resurrection	
ৱাল্যপূৰ্ণৰ ৰক ও বিখান _ে জ্বানীপুত্ৰ		Offering of Srivat Muhambi	17 E 17
ह्यांच्यान्तरक काम के पर्रम के व्यवस्थ	3	Devendernath Tagore	
নংগ্ৰছ একবে	1974	The second secon	n 1 n
व्यविश्वाक अञ्चलनारमञ्जूषा	Le.	Defence of Brahmotina and the Brahmo Samay	RAP
ट्खानावन	9+	Adı B. Smuni as a Olunyak	11.4
क्षिम्बर्क कर्मापनिवर (दनवर्गार्गस कर्णा)	**	A Reply to the Query	n 3 n
वांचा अपविकार	40	"What is Brahmoing ?	n 4 ,,
न्तरमा के व प्रकि	4/4	ताक्याधातन रक्ष च खे, जा (ऽव आते)	
मर-वां वरम व	l)a	The second secon	-
बांदबादम्ब	No.	प्राथनद्वादन रश्च प्रकृत्यः (२व कार्य) । हिन्दु-शर्यात (व्यक्षको	A.
विमन्त्रश्वि द्वारम्धानान श्रीमृद्याः पत्रक्रिक		नहों क्या है।	. 100
क्षीत्रमध्यिक (काश्रदक रोपा)	Reg	शायाच नेवा	
काशृहक राजा	28 n	The state of the s	3,4
হেবিনেকের আন্তচ্চিত পরিচ পূর্মা-পরাংশ	g-	जे (शेश) केनोचा	234
मान क संस्था केवरि	19/4	वर्षमाना	
দুৰ্গীপুত্ৰা	do	शंकारतीय जारपरन	4/3
हाल मध्यरमञ्ज नकांनश्यकि पदमस्यतः			10
পার্যাকিত রক্ষার	14	ধর্ম শ্বিনিকেজন	10. 1-
এবলৈহন লাম (রবীপ্র বাবুর রুক)	40	স্থান্ত চল্লিকা	WINDS TO THE
वक्शकीर मन्त्रवर्त्त ३३वस काम नवाच,	1000	The state of the second	N. Carrie
ভাল বাধা)	314-	रितिनीमा	204
তথ্যবাহী ছ ১০ৰ ভাৰ	40	ত্রান্ধর্পের বিবৃক্তি	be.
ৰছফাতি ১১৭ তাৰ	al a	প্ৰাৰ্থী	SON